www.sanjanabharati.com

दिल्ली और गौतम बुद्ध नगर से प्रकाशित। हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड व उत्तराखंड में प्रसारित

facebook.com/Sanjanabharati

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

संजना भारती

RNI No. : DELHIN/2016/70240

आपका भरोसा, हमारी ताकत

2 न संघर्ष थमेगा न होगा हसीना का प्रत्यर्पण!

3 आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान सरकार...

4 डार्क और चैलेंजिंग रोल में नेगेटिव शेड के साथ...

वर्ष: 10 | अंक: 115 | दिल्ली, मंगलवार, 17 फरवरी 2026 | पृष्ठ संख्या: 4 | मूल्य: 1 रुपया

संक्षिप्त समाचार

इग्नू ने 28 फरवरी तक बढ़ाई नए दाखिले और पुनः पंजीकरण की अंतिम तिथि

एसबी संवाददाता

चण्डीगढ़। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) ने विभिन्न स्नातक, स्नातकोत्तर, डिप्लोमा एवं प्रमाणपत्र कार्यक्रमों में प्रवेश जनवरी 2026 सत्र के लिए प्रवेश की अंतिम तिथि बढ़ाकर 28 फरवरी, 2026 कर दी है। विश्वविद्यालय के प्रवक्ता ने इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि विश्वविद्यालय प्रशासन ने विद्यार्थियों के हितों को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया है, ताकि वे अभ्यर्थी जो किसी कारणवश निर्धारित समय सीमा में आवेदन नहीं कर पाए थे उन्हें एक और अवसर मिल सके, जो विद्यार्थी किसी अन्य महाविद्यालय या विश्वविद्यालय में नियमित पाठ्यक्रम (रेगुलर मोड) में अध्ययनरत हैं, वे भी इग्नू से एक अतिरिक्त डिग्री या डिप्लोमा कार्यक्रम में प्रवेश लेकर अपने करियर विकल्पों का विस्तार कर सकते हैं। इससे उन्हें दो अलग-अलग विषयों में गहन ज्ञान प्राप्त करने का अवसर मिलता है।

समाज की मजबूती-बुजुर्गों के अनुभव, संस्कार और आशीर्वाद से ही संभव: महीपाल ढांडा

एसबी संवाददाता

चण्डीगढ़। हरियाणा के शिक्षा मंत्री महीपाल ढांडा ने कहा कि जो समाज अपने बुजुर्गों को सम्मान देता है, वही समाज प्रगति की राह पर आगे बढ़ता है। उन्होंने महाराजा सूरजमल के आदर्शों को वर्तमान समय में प्रासंगिक बताते हुए कहा कि उनके बताए मार्ग पर चलकर समाज शिक्षा, संगठन और सेवा के क्षेत्र में नई ऊंचाइयां प्राप्त कर सकता है। श्री महीपाल ढांडा आज जाट समाज के महान योद्धा एवं दूरदर्शी शासक महाराजा सूरजमल जाट के जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में कैथल में आयोजित एक कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि हमारे बुजुर्ग हमारी विरासत, हमारी धरोहर थीम पर आधारित कार्यक्रम में समाज के बुजुर्गों, युवाओं, शिक्षाविदों तथा गणमान्य नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और समाज की सांस्कृतिक विरासत को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। उन्होंने संयुक्त परिवार व्यवस्था को भारतीय संस्कृति की शक्ति बताते हुए नई पीढ़ी से अपील की कि वे अपने बुजुर्गों का सम्मान करें और उनके मार्गदर्शन को जीवन में उतारें।

राजनाथ सिंह ने बेंगलुरु में मिसाइल एकीकरण सुविधा का किया उद्घाटन

आकाश तृतीय एवं चतुर्थ रेजिमेंट की युद्ध प्रणालियों को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

संजना भारती/पीआईबी

बेंगलुरु। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को बेंगलुरु स्थित भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) का दौरा किया और परिसर में स्थापित मिसाइल एकीकरण सुविधा का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने आकाश तृतीय एवं चतुर्थ रेजिमेंट की युद्ध प्रणालियों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया और अत्याधुनिक माउंटेन फायर कंट्रोल रडार का अनावरण किया। इसके अतिरिक्त, उन्होंने पुणे स्थित आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस उत्कृष्टता केंद्र (सीओई-एआई) का सुदूर से उद्घाटन किया और कंपनी की एआई नीति का औपचारिक रूप से शुभारंभ भी किया।

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह को भारतीय स्टार्टअप्स द्वारा विकसित एआई-आधारित समाधानों सहित अनेक उन्नत स्वदेशी रक्षा प्रौद्योगिकियों की जानकारी दी गई, जो रक्षा क्षेत्र में नवाचार एवं स्वदेशीकरण पर बढ़ते ध्यान को दर्शाती है। उन्होंने इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणालियों, एवियोनिक्स, नौसैनिक प्लेटफॉर्म, इलेक्ट्रो-ऑप्टिक्स तथा टैंक इलेक्ट्रॉनिक्स जैसी अत्याधुनिक तकनीकों में प्रगति के लिए भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) की सराहना की। उन्होंने कहा, बीईएल ने नेटवर्क-केंद्रित संचालन को सशक्त बनाया है। इसकी एकीकृत प्रणालियां, वास्तविक

समय में डेटा साझा करने की क्षमता तथा निर्णय समर्थन प्रणालियाँ हमारी युद्धक क्षमता को एक नए स्तर तक ले गई हैं।

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह को भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) में संचालित अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों के बारे में अवगत कराया गया, जो प्रमुख राष्ट्रीय रक्षा कार्यक्रमों के अनुरूप हैं। इनमें त्वरित प्रतिक्रिया सतह से वायु में मार करने वाली मिसाइल प्रणाली (क्यूआरएसएएम), लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट मार्क-वक्र (एलसीए एमके-II), एडवांस्ड मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एएमसीए), प्रोजेक्ट कुशा (एमआर-एसएएम/एलआर-एसएएम), काउंटर-ड्रोन प्रणाली, नौसेना हथियार नियंत्रण प्रणाली आदि शामिल हैं। प्रस्तुतीकरण में इस तथ्य पर विशेष बल दिया गया कि स्वदेशी अनुसंधान एवं विकास पहल थल, वायु, नौसेना और रणनीतिक क्षेत्रों में परिचालन तत्परता को सुदृढ़ कर रही हैं, साथ ही विदेशी प्रौद्योगिकियों पर निर्भरता को कम कर रही हैं। रक्षा मंत्री ने यह भी कहा कि वायु क्षेत्र रक्षा तथा ड्रोन-रोधी अभियानों हेतु विकसित प्रणालियों ने भारत के स्वदेशी समाधान वैश्विक मानकों के अनुरूप सिद्ध किया है। रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने इस तथ्य पर प्रकाश डाला कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान खतरों को निष्प्रभावी करने के लिए स्वदेशी रूप से विकसित वायु रक्षा और ड्रोन-रोधी प्रणालियों का प्रभावी उपयोग किया गया। श्री सिंह ने कहा कि एआई के माध्यम से खतरे की भविष्यवाणी, पूर्व चेतावनी और प्रतिक्रिया तंत्र में हुई प्रगति से हमारे सैनिकों में परिचालन आत्मविश्वास उत्पन्न होता है। उन्हें यह भरोसा है कि एक सशक्त वैज्ञानिक और इंजीनियरिंग प्रणाली सदैव उनके साथ खड़ी है। श्री सिंह ने वर्तमान समय में स्वदेशी हथियारों एवं प्रौद्योगिकियों के माध्यम से विजय प्राप्त करने के महत्व पर बल देते हुए कहा कि केवल आत्मनिर्भरता से अर्जित जीत ही राष्ट्र को नया आत्मविश्वास प्रदान करती है।

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने इस बात पर बल दिया कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और क्वांटम कंप्यूटिंग अब केवल भविष्य की अवधारणाएं नहीं रह गई हैं, बल्कि वास्तविक समय में निर्णय-निर्माण, स्वायत्त प्रणालियों, साइबर रक्षा तथा सटीक अभियानों में इनके उपयोग से युद्धक्षेत्र की प्रकृति में व्यापक परिवर्तन आ रहा है।

कांग्रेस मुक्त हुई विधान परिषद, सपा ऐसा कार्य न करे कि विधानभवन मुक्त होना पड़े: मुख्यमंत्री

संजना भारती संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को विधान परिषद में कांग्रेस व समाजवादी पार्टी के नेताओं को खूब धोया। सीएम ने विधान परिषद की मुख्य विपक्षी पार्टी समाजवादी पार्टी के सदस्यों से कहा कि कांग्रेस से सबक ले लीजिए। कांग्रेस विधान परिषद विहीन हो गई है। यदि सपा को भी विधानसभा व परिषद विहीन होना है तो अनर्गल प्रलाप और महापुरुषों का अपमान करे। अन्यथा ऐसा आचरण न करें, जो समाज में विद्वेष की स्थिति पैदा करता है। सीएम ने विपक्षी दलों के सदस्यों से अनुरोध किया कि यूपी की नई पहचान को संकट में मत डालिए। प्रदेश के विकास की यात्रा के साथ बढ़ने के लिए जिम्मेदार विपक्ष के रूप में अपनी भूमिका का निर्वहन करेंगे तो प्रदेश की जनता आपको सम्मानित करेगी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश को सभी सेक्टर में अच्छी सफलता प्राप्त हुई है। प्रदेश और देश में जब टीमवर्क से काम होता है, तब परिणाम आता है। आज हर तबके (गांव, गरीब, युवा, महिला, किसान, हस्तशिल्पी) के मन में विश्वास है और यह विश्वास हर सेक्टर में दिख रहा है। आज यूपी में कानून का राज, अपराधी भयभीत, गरीब को सम्मान, किसान खुशहाल, महिलाओं को सुरक्षा की गारंटी, युवाओं को आगे बढ़ने के अवसर, हर गांव में बिजली और हर हृदय में गर्व है। यूपी फिर से रामराज्य की आधारभूमि के रूप में नई पहचान के साथ आगे बढ़ रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश ने जनकल्याण, रोजगार सृजन, निवेश विस्तार के साथ ही सामाजिक सुरक्षा के माध्यम से सशक्त, सुरक्षित व समृद्ध प्रदेश के रूप में अपनी नई पहचान को बनाया है। हमारा लक्ष्य प्रधानमंत्री के विजन के अनुरूप 2029-30 में यूपी को वन ट्रिलियन डॉलर की इकॉनमी के रूप में स्थापित करना है। हमने बजट भी उस दिशा में ही प्रस्तुत किया है।

सीएम योगी ने कहा कि बजट के बारे में समाजवादी पार्टी अच्छा नहीं बोल पाई, क्योंकि अच्छा करने के लिए उनके पास समय नहीं है। उन्होंने न अच्छा किया और न ही अच्छा बोलेंगे। हमारी सरकार ने डबल इंजन सरकार का लाभ लेते हुए पूरी मजबूती के साथ प्रदेश में प्रधानमंत्री के विजन को बढ़ाया है। सीएम ने कहाकि बहुत सारे सेक्टर हैं, जिसमें यह लोग गुमराह कर रहे हैं।

सीएम ने संवैधानिक संस्थाओं के प्रति विपक्षी दलों के भाव की निंदा की। बोले कि समाजवादी पार्टी के नेता बयानों से जातीय संघर्षों को बढ़ावा देते हैं। समाज को आपस में लड़ाने, आस्था का अपमान, गुंडागर्दी व अराजकता को बढ़ाने के साथ संवैधानिक मूल्य पर भी प्रहार करने में नहीं चूक रहे हैं।

सायबर पंजीयन कार्यालय से पेपरलेस और कैशलेस प्रक्रिया को मिलेगा प्रोत्साहन: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

एसबी संवाददाता

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और मार्गदर्शन में राज्य सरकार विकास के साथ प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता, शुचिता, तत्परता, नवाचार और जनकल्याण को प्रोत्साहन दे रही है। पंजीयन विभाग के सायबर पंजीयन कार्यालय का शुभारंभ इसी संकल्प की सिद्धि का प्रमाण है। संपदा-1.0 और संपदा 2.0 के बाद प्रदेश में सायबर पंजीयन की प्रक्रिया का आरंभ होना तकनीक आधारित सुशासन की नई शुरूआत है। मध्यप्रदेश तेजी से बदल रहा है। मध्यप्रदेश भारत का पहला राज्य है, जिसने डिजिटल क्रांति के माध्यम से लोन, मुख्तयारनामा, माइनिंग लीज, हलफनामा, पावर आफ अटार्नी, पार्टनरशिप डीड जैसी 75 से अधिक सेवाओं के लिए सायबर पंजीयन प्रारंभ किया है। राज्य सरकार के इस नवाचार से पेपरलेस और कैशलेस प्रक्रिया को प्रोत्साहन मिल रहा है। यह नई पीढ़ी के लिए पर्यावरण और पारदर्शिता के मामले में महत्वपूर्ण होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोमवार को पंजीयन भवन में सायबर पंजीयन कार्यालय का शुभारंभ करने के बाद ये विचार व्यक्त किए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अब शासन और उसके उपक्रमों के अंतरण दस्तावेज भी पेपरलेस रजिस्ट्रेशन के माध्यम से पूरे होंगे। हाउसिंग बोर्ड और विकास प्राधिकरण के अंतरण के लिए जनता को पंजीयन कार्यालय नहीं आना पड़ेगा।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से वीडियो केवायसी सहित सभी कार्य होंगे, इससे धन और समय दोनों की बचत होगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह प्रसन्नता का विषय है कि संपदा 2.0 के नवाचार को वर्ष 2025 का राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस स्वर्ण पुरस्कार मिला है। अब तक 14 लाख 95 हजार से अधिक दस्तावेजों का पंजीयन हो चुका है। राज्य सरकार ने 55 जिलों में सायबर तहसील परियोजना को लागू किया है, जिसमें राजस्व बंटवारा, नामांतरण की प्रक्रिया भी संपदा 2.0 से हो सकती है। मुख्यमंत्री

डॉ. यादव ने कहा कि विभागीय अधिकारी सायबर पंजीयन सुविधा के माध्यम से स्वस्थ प्रतिस्पर्धा के साथ मौजूदा वित्त वर्ष में अपने लक्ष्य पूरे करें।

उप मुख्यमंत्री एवं वाणिज्यिक कर मंत्री श्री जगदीश देवड़ा ने कहा कि वर्ष 2024-25 में दस्तावेजों के पंजीयन और ई-स्टाम्पिंग के लिए एडवांस सॉफ्टवेयर संपदा 2.0 लागू किया। इससे चल और अचल संपत्ति के दस्तावेज डिजिटल और पेपरलेस तरीके से पंजीकृत हो रहे हैं। कई दस्तावेज तो ऐसे हैं जिनके लिए उप-पंजीयक कार्यालय भी नहीं आना पड़ता है। सबसे पहले गुना,हरदा, रतलाम और डिण्डौरी जिलों में नए ई-पंजीयन और ई-स्थम्पिंग सॉफ्टवेयर संपदा 2.0 का सफल पायलट प्रोजेक्ट चलाया गया था।

प्रदेश के नवाचारों को देशभर में सराहा गया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में जारी इन नवाचारों का लाभ प्रदेश के नागरिकों को मिल रहा हैं। पंजीयन से जुड़े कार्यों को त्रूटि रहित पूरा करने के लिए प्रदेशभर के 14 लाख कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया गया है।

इस अवसर पर प्रमुख सचिव श्री अमित राठौर, प्रमुख सचिव श्री राघवेंद्र सिंह, महानिरीक्षक पंजीयन एवं अधीक्षक मुद्रांक श्री अमित तोमर उपस्थित रहे। कार्यक्रम से जिलों के अधिकारी, बैंककर्मी और लाभार्थी वर्चुअली जुड़े।

जनपद स्तर पर समस्याओं का निस्तारण सुनिश्चित करें अधिकारी: सीएम योगी

बच्चों से बोले सीएम- मन लगाकर पढ़ो, खूब खेलो और खिलते रहो

संजना भारती संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को जनता दर्शन किया। उन्होंने यहां आए हर फरियादी से स्वयं मुलाकात की, उनकी समस्याओं को सुना और निस्तारण के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से अनुरोध किया कि लखनऊ आने से पहले अपनी समस्याओं को लेकर जनपद व मंडल स्तर पर तैनात अधिकारियों से जरूर मुलाकात करें। वहां भी हर अधिकारी आमजनों की समस्याओं के उचित निराकरण के लिए प्रतिबद्ध है। यदि किन्हीं कारणों से वहां समस्याओं का समाधान नहीं हो पा रहा हो, तो अवश्य लखनऊ आएं। सीएम योगी ने कहा कि हर परेशान व्यक्ति की समस्या का निदान सरकार की प्राथमिकता है। अधिकारी हर हाल में जनपद स्तर पर ही पीड़ितों की समस्याओं का निस्तारण करें।

मुख्यमंत्री से मुलाकात के दौरान कुछ उद्यमियों ने अपनी समस्याएं रखीं। मुख्यमंत्री ने हर एक प्रार्थना पत्र को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभागों, विशेषकर उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीसीडा) एवं जिला प्रशासन को तत्काल और समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कहा कि प्रदेश में निवेश का बेहतरीन इकोसिस्टम तैयार किया गया है और सरकार ने सिंगल विंडो सिस्टम सहित कई पारदर्शी व्यवस्थाएं लागू की हैं। यदि किसी उद्यमी को किसी भी स्तर पर परेशानी होती है, तो उसे प्राथमिकता के आधार पर दूर किया जाए। उन्होंने दो टूक कहा कि निवेश और उद्योग विकास में किसी भी प्रकार की देरी या लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

जनता दर्शन कार्यक्रम में एक नागरिक ने बेसिक शिक्षा परिषद के सभी प्राथमिक विद्यालयों में शारीरिक शिक्षा से जुड़ी गतिविधियों को अनिवार्य किए जाने की मांग रखी। मुख्यमंत्री ने इस सुझाव को गंभीरता से लेते हुए उन्हें आश्वासन दिया कि संबंधित विभाग को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षा केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में खेल और शारीरिक गतिविधियों की महत्वपूर्ण भूमिका है। इसके साथ ही अवैध कब्जों और पुलिस से जुड़े मामलों में भी अधिकारियों को निष्पक्ष, पारदर्शी और त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अभिभावकों के साथ आए बच्चों को देखकर उनका हालचाल जाना और हंसी ठिठोली भी की। मुख्यमंत्री ने बच्चों से पूछा कि किस क्लास में पढ़ते हो। बच्चों ने भी मुख्यमंत्री के प्रश्नों का उत्तर दिया, फिर सीएम योगी ने सभी बच्चों से कहा कि मन लगाकर पढ़ाई करो।

राष्ट्रपति मुर्मु ने अलचिकि लिपि के शताब्दी महोत्सव का उद्घाटन किया

संजना भारती/पीआईबी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सोमवार को नई दिल्ली में संस्कृति मंत्रालय द्वारा आयोजित अलचिकि लिपि के शताब्दी महोत्सव का उद्घाटन किया।

इस अवसर पर राष्ट्रपति ने कहा कि संताल समुदाय की अपनी भाषा, साहित्य और संस्कृति है। हालांकि, अपनी लिपि के अभाव में संताली भाषा को प्रारंभ में रोमन, देवनागरी, उड़िया और बंगाली लिपियों में लिखा जाता था। नेपाल, भूटान और मॉरीशस में रहने वाले संताल समुदाय के लोग भी वहाँ प्रचलित लिपियों का उपयोग करते थे। ये लिपियां संताली भाषा के मूल शब्दों का सही उच्चारण सही तरीके से नहीं कर पा रही थीं. साल 1925 में पंडित रघुनाथ मुर्मु ने अलचिकि लिपि का आविष्कार किया। तब से यह संताली भाषा के लिए उपयोग में लाई जा रही है। आज यह लिपि विश्वभर में संताल पहचान का सशक्त प्रतीक बन चुकी है और समुदाय में एकता स्थापित करने का प्रभावी माध्यम भी है।

राष्ट्रपति ने कहा कि अलचिकि की शताब्दी समारोह इस लिपि के व्यापक प्रचार-प्रसार का संकल्प लेने का अवसर होना चाहिए। बच्चों को हिंदी, अंग्रेजी, उड़िया, बंगाली या किसी अन्य भाषा में शिक्षा मिल सकती है, लेकिन उन्हें अपनी मातृभाषा संताली भी अलचिकि लिपि में सीखनी चाहिए।

राष्ट्रपति ने खुशी जाहिर की कि अनेक लेखक अपने साहित्यिक कार्यों से संताली साहित्य को समृद्ध कर रहे हैं। उन्होंने लेखकों को अपने लेखन के माध्यम से समाज में जागरूकता फैलाने की सलाह दी। राष्ट्रपति ने कहा कि भारत अनेक भाषाओं का उपवन है। भाषा और साहित्य समुदायों के भीतर एकता को बनाए रखने वाले सूत्र हैं। साहित्य के आदान-प्रदान से भाषाएं समृद्ध होती हैं। संताली साहित्य को अन्य भाषाओं के विद्यार्थियों तक अनुवाद और लेखन के माध्यम से पहुंचाने तथा अन्य भाषाओं के साहित्य को संताली में उपलब्ध कराने के प्रयास किए जाने चाहिए।

इस अवसर पर राष्ट्रपति ने अलचिकि लिपि के 100 वर्ष पूरे होने पर स्मारक सिक्का और डाक टिकट जारी किया।

अकाली, भाजपा और कांग्रेस ने पंजाब को नशे की दलदल में धकेला, अब 'आम आदमी पार्टी' बना रही नशा मुक्त पंजाब-केजरीवाल

एसबी संवाददाता

मोगा। मोगा में विलेज डिफेंस कमेटी (वी.डी.सी.) के शपथ ग्रहण समारोह में आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने पंजाब सरकार के 'युद्ध नशे के विरुद्ध' अभियान के तहत स्पष्ट और सख्त संदेश देते हुए कहा कि जहां शिरोमणि अकाली दल, भाजपा और कांग्रेस ने राज्य को नशों में डुबो दिया, वहीं 'आप' की सरकार इस नुकसान की भरपाई के लिए नशों के कारोबार में शामिल हर किसी के खिलाफ लगातार सख्त कार्रवाई कर रही है।

'आप' प्रमुख ने कहा कि पंजाब के इतिहास में पहली बार किसी सरकार ने नशा तस्करों को बचाने की बजाय उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की है। उन्होंने 2,000 किलो से अधिक नशे की बरामदगी, बड़े सौदागरों को जेलों में डालने और उनके महलनुमा घरों पर बुलडोजर चलाने का हवाला देते हुए कहा कि युद्ध नशे के विरुद्ध अभियान के

जमीनी स्तर पर सार्थक नतीजे सामने आ रहे हैं। उन्होंने पंजाब के लोगों को सचेत करते हुए कहा कि अगर पिछली सरकारें सत्ता में आईं तो पंजाब को फिर नशों की दलदल में जाने से कोई नहीं बचा सकता।

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने दोहराया कि आप की सरकार 'युद्ध नशे के विरुद्ध' अभियान के तहत पंजाब पर 'चिट्टे' के दाग को मिटाने के लिए पूरी तरह वचनबद्ध है। उन्होंने जोर देकर कहा कि सरकार की रणनीति इस अभियान को सख्ती से लागू करने के माध्यम से नशा मुक्त पंजाब सृजित करने की ओर केंद्रित है, जिसमें हर गांव में खेल मैदानों का निर्माण और युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए रोजगार के अवसर सृजित करना शामिल है। आप के दोनों वरिष्ठ नेताओं ने नशा विरोधी अभियान को पंजाब के शासन में एक निर्णायक पड़ाव घोषित करते हुए इसे कानून लागू करने वाला मिशन और प्रदेश भर में लोगों का विश्वास जीतने तथा युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा करने की ओर निर्देशित एक व्यापक प्रयास करार दिया।

समारोह को संबोधित करते हुए 'आप' के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि लोग आज 'युद्ध नशे के विरुद्ध' अभियान में शामिल होने के लिए एकत्र हुए हैं। उन्होंने कहा कि एक साल पहले 1 मार्च को मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार ने यह अभियान शुरू किया था। उन्होंने कहा कि जब हमने एक साल पहले 'युद्ध नशे के विरुद्ध' अभियान शुरू किया था तब लोगों में इसके प्रति ज्यादा उत्साह नहीं था क्योंकि उन्होंने पिछली सरकारों को बड़े-बड़े दावे करते और जमीनी स्तर पर कुछ न करने देखा था। उन्होंने कहा कि इसी कारण जब हमने नशों के खिलाफ यह जंग शुरू की तो उस समय लोगों में कहीं न कहीं सहम और झिझक का माहौल था और कोई भी नशा तस्करों और नशों के बारे में जानकारी साझा करने के लिए आगे आने को तैयार नहीं था क्योंकि उन्हें डर था कि अगर वे ऐसा करेंगे तो उनके परिवारों को डराया-धमकाया और तंग-परेशान किया जाएगा।

पिछले साल की कार्रवाई पर प्रकाश डालते हुए 'आप' प्रमुख ने आगे कहा कि पिछले एक साल में, जिस तरह पुलिस ने नशा तस्करों को गिरफ्तार किया और विभिन्न स्थानों से नशीले पदार्थ जब्त किए, जिसमें 2,000 किलो से अधिक नशीले पदार्थों की बरामदगी और नशा बेचने वालों के शानदार बंगलों पर बुलडोजर चलाना, नशों के बड़े तस्करों (जिनका नाम लेने से भी लोग डरते और कांपते थे) को जेलों में डालना शामिल है, तो धीरे-धीरे लोगों को विश्वास होने लगा कि यह 'आप' की सरकार है, यह भगवंत मान की सरकार है, जो किसी से नहीं डरती। उन्होंने कहा कि पहली बार पंजाब में नशों के खिलाफ ऐसा जोरदार अभियान शुरू हुआ है।

सम्पादकीय

मौत का कारण बनते ऑनलाइन गेम!

कोरियन लवर गेम के चलते गाजियाबाद की तीन बहनों की खुदकुशी ने आज के हालात और बच्चों की बदलती मानसिकता को लेकर झकझोर कर रख दिया है। अभी तीन बहनों की चिता की आग ठंडी भी नहीं हुई कि ऑनलाइन गेम के चलते मेरठ का 22 वर्षीय युवक मोहम्मद कैफ हेडफोन लगाकार गेम खेलते खेलते ही बेहोश होकर गिर गया और ब्रेन हेमरेज होने से मौत के आगोश में समा गया। इसे इंटरनेट गेमिंग डिसआर्डर के रुप में देखा व समझा जा सकता है। इस तरह की घटनाएं देश दुनिया में आये दिन हो रही है और इनमें से कुछ ही घटनाएं हमारे सामने आ पाती है। ऑनलाइन गेम की गिरफ्त में हमारे देश के ही बच्चे या युवा आ रहे हो ऐसा है नहीं अपितु दुनिया के अधिकांश देश इस समस्या से दो चार हो रहे हैं। इस तरह की घटनाओं को हत्या के रुप में ही देखा जाना चाहिए। आत्महत्या कहकर इसे हल्का किया जा रहा है। हालात यहां तक है कि बच्चे या ऑनलाइन गेम खेलने वाले रात को सोने की स्थिति में गेम में चल रहे टास्क स संबंधित बातें बोलते हुए देखे जा सकते हैं। पिछले दिनों ऑनलाइन गेम से ग्रसित बच्चे द्वारा नींद में फायर फायर चिल्लाने का समाचार आम होता देखा गया। दरअसल ऑनलाइन गेम खेल मनोस्थिति को इस कदर प्रीभावित कर देते हैं कि उठते बैठते टास्क ही टास्क दिमाग में घूमता रहा है। इसी कारण से दुनिया के कई देशों में बच्चों के लिए इंटरनेट के उपयोग को लेकर सख्ती या रोक जैसे कदम उठाने शुरू किये हैं। आस्ट्रेलिया, फ्रांस, ब्रिट्रेन, सिंगापुर दक्षिण कोरिया आदि देश इस दिषा में सक्रिय हुए हैं। दरअसल देखा जाएं तो आनलाइन गेम की लत अन्य नशों से भी अधिक गंभीर होती जा रही है। माना जाता है कि दुनिया के देशों में 1982 में आनलाइन गेमिंग के चलते पहली मौत का मामला सामने आया था जबकि उस समय तो इंटरनेट की पहुंच एक प्रतिशत तक भी नहीं थी। 2002 के बाद ऑनलाइन गेमों की बाढ़ सी आ गई और भारत ही नहीं दुनिया के देशों में गेमिंग के चलते होने वाले दुष्प्रभावों से हिला कर रख दिया है। देखा जाए तो जहां तक बच्चों में ऑनलाइन गेमिंग के चस्के का प्रमुख कारण माना जाए तो इसे कोविड के साइड इफेक्ट के रुप में देखा जा सकता है। दरअसल कोविड के चलते बच्चों की जिस तरह से ऑनलाइन कक्षाएं शुरू हुई और जिस तरह से आज भी इसे देखा जा सकता है तो बच्चों के हाथों में एंड्रायड फोन आने और ऑनलाइन कक्षाओं के बाद स्क्रिन की अवधि बढ़ने और आकर्षक भ्रमित करने वाले गेमों से बच्चों के जुड़ने से हालात दिन प्रतिदिन खराब ही हुए हैं। इस लत में बच्चें ही नहीं अपितु युवा भी आते जा रहे हैं। ब्लू व्हेल चैलेंज, पबजी, चोकिंग गेम, फार्टनाइट, फ्री फायर, पपी प्ले टाइम, द बेबी इन येलो, एविल नन, आइसक्रीम आदि आदि गेमों ने सर्वाधिक प्रभावित किया है। ऑनलाइन गेमिंग की दुनिया मुख्यतौर से दो दिशाओं में चलती है। एक टास्कबेस्ड गेम है तो दूसरे इमर्सिव गेम है। टास्कबेस्ड गेम में लगातार नए नए टास्क दिए जाते हैं। यहां तक कि ऐसा भी देखा गया है कि इस तरह के गेम में कई बार तो खेलने वाले को स्वयं को नुकसान पहुंचाने वाले टास्क दे दिए जाते हैं। वाइल्ड हंट, विचर 3, होरिजोन जैसे इस तरह के अनेक गेम है। यह तो केवल उदाहरण मात्र है। इसी तरह से इमर्सिंग गेमों में तकनीक और ग्राफिक्स के माध्यम से यर्थाथ दुनिया जैसे हालात दिखाते हैं। जीरो डॉन, रेड डेड, फॉलआउट और इसी तरह के अनेक गेम उपलब्ध है। मजे की बात यह है कि 10-12 से लेकर 40 वर्ष तक के लोग इन गेमों के चक्कर में अधिक आ रहे हैं। ऑनलाइन गेमिंग की दुनिया की बात करें तो यह अपने आप में बड़ा व्यापार है। 2024 में 3.7 बिलियन के कारोबार को माना जा रहा है कि इसी तरह से यह चलता रहा तो 2029 तक 9.1 बिलियन डॉलर तक पहुंचने की संभावना व्यक्त की जा रही है। यानी की 2029 तक लगभग तीन गुणा बढ़ जाएगा। सबसे बड़ी चिंतनीय बात यह है कि ऑनलाइन गेम के कारण भले ही मौत के समाचार कभी कभार ही सामने आते हो पर इससे ज्यादा गंभीरता यह है कि मनोवैज्ञानिक असर अधिक दिखाई देने लगा है। ऑनलाइन गेम के लत वालों में डर, अकेलापन, अनिंद्रा, खुद को नुकसान पहुंचाने के साथ ही शारीरिक और मानसिक विकार आम होते जा रहे हैं। कुंठा, आक्रोश, संवेदनहीनता, तनाव आम होते जा रहे हैं। दरअसल समय आ गया है जब ऑनलाइन गेमिंग की समस्या का हल खोजा ही जाना चाहिए। अन्यथा हालात दिन प्रतिदिन बद से बदतर ही होंगे। ऑनलाइन गेमिंग बनाने वालों को तो एक मात्र उद्देश्य अधिक से अधिक पैसा कमाना है उन्हें इसके दुष्प्रभावों से कोई लेना-देना नहीं होता। हांलाकि भारत सहित कुछ देशों की सरकारें सक्रिय हुई है। पर मनोवैज्ञानिकों को भी आगे आकर कोई समाधान खोजना होगा वहीं अभिभावकों, परिजनों व समाज का भी दायित्व हो जाता है।

जयंती

जीवनानन्द दास

जन्म-17 फरवरी, 1899, बंगाल, मृत्यु-22 अक्टूबर, 1954, कोलकाता, पश्चिम बंगाल, बांग्ला भाषा के प्रसिद्ध कवि और लेखक थे। वे ऐसे बांग्ला कवि थे, जिन्होंने कविता में वर्णनात्मक शैली के स्थापत्य का सूत्रपात किया। उनके उपन्यास और कहानियाँ बांग्ला क्षेत्र के लोगों के बीच खास स्थान रखते हैं। उन्हें 1955 में मरणोपरांत श्रेष्ठ कविता के लिए 'साहित्य अकादमी पुरस्कार' से सम्मानित किया गया था। जीवनानन्द दास जी की कविता ने रवींद्रनाथ के बाद बांग्ला समाज की कई पीढ़ियों को चमत्कृत किया। उनकी कविता 'बनलता सेन' तो मानो अनिवार्य रूप से कंठस्थ की जाती रही है।

पुण्यतिथि

रानी गाइदिनल्यू

जन्म-26 जनवरी, 1915, मणिपुर, भारत, मृत्यु-17 फरवरी, 1993, भारत की प्रसिद्ध महिला क्रांतिकारियों में से एक थीं। उन्होंने देश को आजादी दिलाने के लिए नागालैण्ड में अपनी क्रांतिकारी गतिविधियों को अंजाम दिया। झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई के समान ही वीरतापूर्ण कार्य करने के लिए इन्हें 'नागालैण्ड की रानी लक्ष्मीबाई' कहा जाता है। जब रानी गाइदिनल्यू को अपनी क्रांतिकारी गतिविधियों के कारण अंग्रेजों ने गिरफ़्तार कर लिया, तब पंडित जवाहरलाल नेहरू ने कई वर्षों की सजा काट चुकी रानी को रिहाई दिलाने के प्रयास किए। किंतु अंग्रेजों ने उनकी इस बात को नहीं माना, क्योंकि वे रानी से बहुत भयभीत थे और उन्हें अपने लिए खतरनाक मानते थे।

कल मिलेंगे

सुरेश की बीवी को डिलीवरी के लिए हॉस्पिटल ले गए...
सुरेश ने नर्स से बोला-बच्चा होने के बाद सीधे मत बताना,
नर्स-मतलब
सुरेश-लड़का हो तो टमाटर बोलना और लड़की हो तो कहना प्याज हुई है...
इत्तेफाक से सुरेश की बीवी के जुड़वा बच्चे हुए एक लड़का एक लड़की...
नर्स कन्फूयजन में बाहर आकर बोली बधाई हो सलाद हुआ है...

संजना भारती दैनिक

भगवान शंकर जी के 11वें रुद्रावतार हनुमान जी (मेंहदीपुर, श्री बाला जी) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में श्रद्धापूर्वक समर्पित है।

स्वामी, प्रकाशक एवं संपादक-**संजय कुमार** द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-41, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित तथा ए-281सी, गली नं. 3, ए-ब्लॉक, अम्बिका विहार, शिव विहार, दिल्ली-110094 से प्रकाशित। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी। **मुद्रक**-देवानंद राय।

RNI No. : DELHIN/2016/70240

Phone No.: 9871221635
E-mail ID: sanjanabharati16@gmail.com

(किसी भी वाद-विवाद में न्याय क्षेत्र दिल्ली ही होगा।)

न संघर्ष थमेगा न होगा हसीना का प्रत्यर्पण!

खालिदा जिया के निधन के बाद हुई एस जयशंकर की ढाका यात्रा से ही भारत की ओर से तारिक रहमान से संपर्क साधना शुरू हो गया था। इसका असर तारिक के चुनाव प्रचार में भी दिखाई दिया। उन्होंने अपने चुनाव प्रचार के दौरान भूलकर भी भारत के खिलाफ कोई बयान नहीं दिया, जिससे भविष्य में दोनों देशों के बीच बेहतर रिश्तों की उम्मीद जगी है

-उमेश चतुर्वेदी

बांग्लादेश में तारिक रहमान की बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी यानी बीएनपी की भारी जीत के बाद लंदन की जगह दिल्ली ने ले ली है। जब शेख हसीना ढाका से सरकार चलाती थीं, तब तारिक लंदन से उस पर निगाह रखते थे। अब रहमान सरकार चलायेंगे और हसीना दिल्ली से उस पर निगाह रखेंगी. उसका मतलब यह नहीं है कि रहमान हसीना के प्रत्यर्पण की माँग नहीं करेंगे। हसीना के प्रत्यर्पण की माँग कार्यवाहक सरकार के मुखिया मो. यूनुस भी करते रहे हैं और तारिक भी करते रहेंगे। बांग्लादेश में विद्रोह के बाद शेख हसीना को मौत की सजा सुनाई जा चुकी है। इस बहाने उनके प्रत्यर्पण की माँग तारिक समेत कई अन्य नेता भी करते रहे हैं। लेकिन अब तारिक का सुर नरम हो सकता है। इसकी वजह यह है कि वे यूनुस की तुलना में कहीं ज्यादा वैध लोकतांत्रिक सरकार के मुखिया बनने जा रहे हैं। लोकतांत्रिक सत्ता उतनी कट्टर और कठोर नहीं हो सकती, जैसी वीणा वैध मतदान के बाद आईं सरकारें होतीं हैं। वैसे भी भारत शेख हसीना को बांग्लादेश नहीं भेजने जा रहा है।

बीएनपी का रूख भारत समर्थक तो नहीं ही रहा है, लेकिन बीएनपी प्रमुख खालिदा जिया के निधन के बाद भारत ने जिस तरह का रुख अपनाया, उससे तारिक के मन की गाँठ खुली है। खालिदा के शोक के वक़्त जिस तरह भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कदम उठाया और ढाका जाकर तारिक से दुख व्यक्त किया, उसे बांग्लादेश के साथ भारत की भावी रणनीति और संभावनाशील संबंधों की बानगी माना जा सकता है। भारत को अंदेशा था कि चुनावों में बीएनपी को समर्थन मिल सकता है। इसलिए उसने सही समय पर सही कदम उठाने में कोई हिचक नहीं दिखाई। वैसे भी बांग्लादेश की सबसे प्रभावी पार्टी रही अवामी लीग ने चुनावों का बहिष्कार करने की घोषणा कर रखी थी। फिर यूनुस सरकार और कट्टरपंथी जमात ए इस्लाम के नेताओं ने अवामी लीग की राह में जमकर कांटे बोए। ऐसे में बीएनपी की जीत की उम्मीद बेमानी भी नहीं थी।

खालिदा जिया के निधन के बाद हुई एस जयशंकर की ढाका यात्रा से ही भारत की ओर से तारिक रहमान से संपर्क साधना शुरू हो गया था। इसका असर तारिक के चुनाव प्रचार में भी दिखाई दिया। उन्होंने अपने चुनाव प्रचार के दौरान भूलकर भी भारत के खिलाफ कोई बयान नहीं दिया, जिससे भविष्य में दोनों देशों के बीच बेहतर रिश्तों की उम्मीद जगी है। हसीना की वापसी पर भारत कहता रहा है कि शेख हसीना को बांग्लादेश लौटना है या नहीं, इसका फैसला उन्हें ही करना है। हिंदुस्तान टाइम्स लीडरशिप समिट 2025 में विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर कह चुके हैं कि हसीना खास परिस्थितियों में भारत आई थीं और वह स्थिति उनके भविष्य को तय करने में बड़ा रोल निभाएगी। कुछ ऐसे ही शब्दों का प्रयोग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी कर चुके हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर उन्होंने तारिक रहमान को जीत की बधाई दी है। चुनाव आयोग के आधिकारिक नतीजों से पहले ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बीएनपी की जीत को जनता का भरोसा बताने में देर नहीं लगाई। उन्होंने कहा कि भारत लोकतांत्रिक और समावेशी बांग्लादेश के साथ काम करने को तैयार है।

चुनाव जीतने के बावजूद बांग्लादेश के भावी प्रधानमंत्री तारिक की चुनौतियां कम नहीं होने जा रहीं हैं। इसकी वजह है, बांग्लादेश के बीते चुनाव में बेहद कम मतदान। जिसमें सिर्फ 48 प्रतिशत वोटिंग हुई है, यानि 52 प्रतिशत लोगो ने मतदान ही नहीं किया। ध्यान देने की बात है कि शेख हसीना को बांग्लादेश के 35 से प्रतिशत लोगों का समर्थन मिलता रहा है। कम मतदान का मतलब है कि हसीना के समर्थकों ने बड़े पैमाने पर चुनाव का बहिष्कार किया। इसके साथ ही केवल 48 प्रतिशत मतदान का मतलब है कि तारिक रहमान की अगुआई वाले गठबंधन को देश के ज्यादतर लोगों का समर्थन नहीं मिला। गौर करने की बात है कि बीएनपी की अगुआई वाले गठबंधन में पार्टी जमात-ए-इस्लामी, छात्रों की पार्टी एनसीए और जातीय पार्टी शामिल हैं। इसका अर्थ यह है कि बीते चुनाव में बीएनपी को 25 से प्रतिशत मत ही मिले और इतने कम वोट से ही वह सत्ता संभालने जा रही है। इसका संदेश साफ है कि हसीना का "वोट बैंक" खत्म नहीं हुआ है, बल्कि वह फिलहाल चुप है। इससे अवामी लीग के लिए भविष्य में वापसी की उम्मीद तो बनती ही है, बीएनपी के लिए चेतावनी भी है।

आधे से भी कम मतदान के बाद मिली जीत भी वैध नहीं मानी जा सकती। अवामी लीग के खिलाफ बगावत के बीज उनके आखिरी चुनाव के दौरान तत्कालीन विपक्षी दलों के चुनाव बहिष्कार से ही पड़ गए थे। कुछ वैसा ही हाल बीएनपी के साथ भी हो सकता है। आधे से भी कम आबादी की वोटिंग आगे जाकर जीतने वाली सरकार की वैधता पर सवाल का कारण बन सकती है। शेख हसीना भी जानती हैं कि हिंसक प्रदर्शन के बाद हुए चुनाव के बाद आई नई सरकार को करीब तीस प्रतिशत लोगों का ही समर्थन हासिल है। कम मतदान और मौजूदा सरकार का कम आधार आगे चलकर शेख हसीना के लिए संघर्ष का नया बहाना बन सकता है। वे इसे अपने लिए नैतिक जीत बता सकतीं हैं और इस आधार पर अवामी लीग के लिए फिर से सहयोग की व्यापक माँग कर सकती हैं। वैसे भी वे पहले यूनुस सरकार के खिलाफ लोगों से उठ खड़े होने की अपील कर चुकी हैं। साफ है कि बांग्लादेश का न तो संघर्ष खत्म होने जा रहा है और न शेख हसीना का प्रत्यर्पण. इस हालात में भारत को संतुलन बनाए रखते हुए आगे बढ़ना होगा।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं
(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के अप्रत्याशित विजेता हैं राहुल गांधी

गांधी की आलोचना पर सरकार की प्रतिक्रिया जोरदार और बिना रुके रही है। सत्ताधारी पार्टी की मशीनरी, जिसमें चुने हुए प्रतिनिधि, पार्टी के प्रवक्ता और उससे जुड़े मीडिया शामिल हैं, ने समझौते के उनके विरोध को बदनाम करने के लिए कमर कस ली है। यह बचाव का रवैया न केवल एक तीखे राजनीतिक जवाब का संकेत देता है, बल्कि गांधी की बढ़ती पहचान के नतीजों को लेकर एक बड़ी चिंता का भी संकेत देता है

-के रवींद्रन

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के आस-पास चल रही राजनीतिक कहानी ने टैरिफ, बाजार में पहुंच और राजनयिक गठजोड़ पर बहस छेड़ने से कहीं ज्यादा असर डाला है। इसने भारत के घरेलू राजनीतिक माहौल की रूपरेखा को बदल दिया है, खासकर राहुल गांधी का कद मुख्य विपक्षी नेता के तौर पर बढ़ाकर। मोदी सरकार ने व्यापार समझौते को एक बड़ी कामयाबी के तौर पर पेश किया है, जो 30 ट्रिलियन डालर के अमेरिकी बाजार में खास पहुंच की रणनीतिगत और आर्थिक मूल्य को दिखाता है।

इस समझौते के फायदों को बताते हुए, मोदी प्रशासन एक बड़ा दावा कर रहा है: कि भारत के लंबे समय के आर्थिक फायदे दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के साथ ज्यादा करीब से जुड़ने से ही सबसे अच्छे ढंग से पूरे होंगे। कई खरब डॉलर के बाजार पर जोर, आकांक्षा और विकास की एक लोकलुभाऊ कहानी को दिखाता है। फिर भी, इस कहानी को बिना चुनौती दिए नहीं छोड़ा गया है। राहुल गांधी की इस समझौते की जोरदार आलोचना, जिसमें उनकी भावनाओं और राजनीतिक संवेदनाएं जुड़ी हैं - और जिसमें उनका यह कहना कि यह 'भारत माता को बेचने जैसा है, ने एक तकनीकी नीति चर्चा को राष्ट्रीय पहचान, सम्प्रभुता और राजनीतिक नेतृत्व पर एक बड़े मुकाबले में बदल दिया है।

खास बात सिर्फ गांधी की आलोचना का तथ्य ही नहीं है, बल्कि उसे मिली राजनीतिक पकड़ भी है। पारंपरिक रूप से, इस कांग्रेस नेता को कई जानकारों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राजनीतिक दबदबे के मुकाबले कम मजबूत विरोधी के तौर पर दिखाया है। हालांकि, व्यापार समझौते पर उनके रुख ने भद्रलोक के राजनीतिक दायरे और आम जनता के कुछ हिस्सों में भी इस सोच को बदल दिया है। सरकार के तौर-तरीके को जोरदार ढंग से चुनौती देकर, गांधी ने राष्ट्रीय गौरव और आर्थिक बराबरी को लेकर बुनियादी चिंताओं को छुआ। उनकी टिप्पणी उन लोगों को पसंद आई जो वैश्वीकरण के अलग-अलग फायदों से सावधान थे और उन समझौतों पर शक करते थे जिन्हें भद्रलोक के हितों के लिए या राणनीतिगत स्वायत्तता से समझौता करने वाला माना जाता था। ऐसा करके, उन्होंने बहस को व्यापारिक घाटे और टैरिफ लागू किये जाने की निर्धारित अवधि तक सीमित न रखकर इस बड़े सवाल से जोड़ दिया कि भारत का आगे का रास्ता कौन तय करेगा।

गांधी की आलोचना पर सरकार की प्रतिक्रिया जोरदार और बिना रुके रही है। सत्ताधारी पार्टी की मशीनरी, जिसमें चुने हुए प्रतिनिधि, पार्टी के प्रवक्ता और उससे जुड़े मीडिया शामिल हैं, ने समझौते के उनके विरोध को बदनाम करने के लिए कमर कस ली है। यह बचाव का रवैया न केवल एक तीखे राजनीतिक जवाब का संकेत देता है, बल्कि गांधी की बढ़ती पहचान के नतीजों को लेकर एक बड़ी चिंता का भी संकेत देता है। उन्हें गैर-जिम्मेदार या देशद्रोही बताने की उनकी लगातार कोशिशें इस बात की जानकारी दिखाती हैं कि गांधी की आलोचना ने सरकार की शुरूआती सोच को तोड़ दिया है और एक ज्यादा विवादित सार्वजनिक बातचीत को मजबूर किया है।

इस प्रक्रिया में, गांधी की राजनीतिक विश्वसनीयता को काफी बढ़ावा मिला है। एक मामूली या बेअसर विपक्षी नेता के तौर पर खारिज किए जाने के बजाय, अब वह सरकार की एक अहम नीतिगत उपलब्धि के बारे में हो रही बातचीत में एक केन्द्रीय जगह पर हैं। एक तरफ, इसने ऐसे समय में विपक्ष की आवाज को और तेज कर दिया है जब सरकार को अपनी विदेश नीति पहल पर बड़ी आम सहमति की उम्मीद थी। दूसरी तरफ, इसने आख्यान पर सरकार के नियंत्रण की सीमा को भी सामने ला दिया है। भारत-अमेरिका समझौते के फायदों को जोर-शोर से आगे बढ़ाकर, मोदी प्रशासन का मकसद अपनी राजनयिक समझ और आर्थिक दृष्टिकोण को दिखाना था। फिर भी, गांधी की आलोचना पर जो जबरदस्त प्रतिक्रिया हो रही है, उससे पता चलता है कि आबादी का एक बड़ा हिस्सा- या कम से कम राजनीतिक वर्ग- अलग-अलग सोच को मान रहा है। इससे पता चलता है कि भूमंडलीकरण और द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर लोगों की राय सरकार के संदेश से कहीं ज्यादा उलझन भरी और विवादित है। जब व्यापार राष्ट्रीय गर्व और राजनीतिक पहचान से जुड़ जाता है, तो आर्थिक नीति पर बहस तकनीकी खोखलेपन में नहीं चलती; बल्कि वे बड़े सांस्कृतिक और राजनीतिक संघर्षों का मैदान बन जाती है।

मोदी और उनकी पार्टी के लिए, अब चुनौती अपने तौर-तरीके को फिर से ठीक करने की है। राहुल गांधी के खिलाफ मौजूदा जोरदार विरोध एक ताकतवर संस्था के सामने खड़े होने वाले अंडरडॉग के तौर पर उनकी हैसियत को और मजबूत करने से उल्टा पड़ सकता है। सरकार के लिए खतरा यह है कि उनकी आलोचना को कम करने की कोशिश में, वे अनजाने में उसे सही ठहराते हैं। इस मुद्दे पर राहुल गांधी को बार-बार लक्षित करने से वे विरोध का केंद्र बन सकते हैं, और ऐसे समर्थकों को बढ़ावा मिल सकता है जो उनके विरोध को मौकापरस्त के बजाय उसूलों पर आधारित मानते हैं। ऐसे राजनीतिक माहौल में जहां राष्ट्रवाद और आत्मनिर्णय की बातें काफी मायने रखती हैं, और राहुल गांधी को किसी विदेशी ताकत को दी जा रही कथित छूट के खिलाफ भारत की इज्जत के रक्षक के तौर पर पेश करने के दूरगामी असर हो सकते हैं। इस राजनीतिक नाटक का बड़ा मतलब यह है कि आर्थिक राजनयिकता को घरेलू वैधता से अलग नहीं किया जा सकता। भारत-अमेरिका समझौते पर बहस यह दिखाती है कि कैसे वैश्विक आर्थिक नीतियां राष्ट्रीय चरित्र, नेतृत्व की विश्वसनीयता, और राजनीतिक प्रतिस्पर्धा के सवालों से अलग नहीं हो सकती। मोदी सरकार के लिए, अमेरिकी बाजार में खास पहुंच पाना एक रणनीतिगत प्राथमिकता बनी हुई है। राहुल गांधी के लिए, उसी समझौते की आलोचना ने उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाने का एक अनोखा मौका दिया है। आखिरकार, गांधी की राजनीतिक विश्वसनीयता में बढ़ोतरी एक जरूरी सच्चाई को दिखाती है: लोकतांत्रिक राजनीति में, असहमति- जब पक्के यकीन और असर के साथ कही जाए- तो नेताओं को ऊपर उठा सकती है और बहस को नई दिशा दे सकती है। यह पल भारतीय राजनीति में एक स्थायी मोड़ बनेगा या नहीं, यह इस बात पर निर्भर करेगा कि सरकार और विपक्ष दोनों इसे कैसे आगे बढ़ाते हैं। लेकिन अभी के लिए, राजनीतिक मैदान में सबसे ज्यादा फायदा राहुल गांधी को मिल रहा है, जिनकी समझौते को चुनौती ने उनकी आवाज को और मजबूत किया है और राष्ट्रीय बातचीत में उनकी भूमिका को नया रूप दिया है।

खेल/विदेश/कारोबार

इजरायल का अब फिलिस्तीनी 'वेस्ट बैंक' पर कब्जा, मुस्लिम देश हैरान

(एजेन्सी)।

इजरायल ने 1967 के बाद पहली बार वेस्ट बैंक में बड़े भूभाग को स्टेट लैंड यानी सरकारी जमीन घोषित करने का फैसला लिया है। इस कदम को इलाके की राजनीति और कूटनीति में अहम माना जा रहा है क्योंकि 1967 के सिक्स डेज वॉर के बाद से वेस्ट बैंक का मामला अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विवाद का मुद्दा रहा है। मौजूदा ऐलान के तहत जिस इलाके को राज्य की आधिकारिक जमीन घोषित किया गया है, वह रणनीतिक तौर पर संवेदनशील इलाके में मौजूद बताया जा रहा है। इजराइली प्रशासन का कहना है कि यह फैसला कानूनी प्रक्रिया और जमीन के सर्वे के बाद लिया गया है। अधिकारियों के अनुसार इस भूभाग पर किसी फिलिस्तीनी निजी पार्टी का दावा वैध नहीं साबित हो पाया। जिसके बाद इसे इजरली राज्य की जमीन के तौर पर दर्ज किया गया है। इजराइल की दलील है कि इस तरह की घोषणाएं उसके प्रशासनिक अधिकार क्षेत्र में आती हैं। उसकी ओर से यह फैसला इस क्षेत्र के विकास, सुरक्षा और बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए लिया गया है।

दूसरी ओर फिलिस्तीनी लीडरशिप और कई मुस्लिम देशों ने इस कदम का विरोध किया है। उनका कहना है कि वेस्ट बैंक अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुसार कब्जे वाला क्षेत्र है। इसलिए यहां की जमीन को राज्य संपत्ति घोषित करना भविष्य में दो राष्ट्रीय समाधान की संभावनाओं को प्रभावित कर सकता है। आलोचकों का तर्क है कि इस तरह के फैसले से क्षेत्र में बस्तियों के विस्तार को बढ़ावा मिल सकता है और शांति वाताओं की राह में मुश्किलें आ सकती हैं। इस इजराइली घोषणा के बाद क्षेत्रीय तनाव बढ़ने की आशंका भी जताई जा रही है। वेस्ट बैंक में पहले से ही इजराइली बस्तियों और फिलिस्तीनी आबादी के बीच संवेदनशील संतुलन बना हुआ है।

किसी भी प्रशासनिक या जमीन के मालिकाना संबंधी फैसले का स्थानीय स्तर पर बड़ा प्रभाव पड़ता है। अंतरराष्ट्रीय समुदाय खासकर अमेरिका और यूरोपीय देशों की प्रतिक्रिया भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

कई अंतरराष्ट्रीय संगठनों ने पहले भी वेस्ट बैंक में इजरायली बस्तियों के विस्तार पर चिंता व्यक्त की है। साथ ही बातचीत से मसले को सुलझाने की बात कही है। ऐसे में यह नया कदम कूटनीतिक समीकरणों को प्रभावित कर सकता है। कुल मिलाकर 1967 के बाद पहली बार वेस्ट बैंक में बड़े पैमाने पर जमीन को स्टेट लाइन घोषित करने का निर्णय एक ऐतिहासिक और विवादास्पद कदम के रूप में देखा जा रहा है।

अमेरिकी हथियारों की लोकेशन चीन ने कर दी लीक, खुश हो गया ईरान

(एजेन्सी)।

अमेरिका ईरान के माथे पर एयरक्राफ्ट कैरियर्स और खूंखार लड़ाकू विमान लेकर खड़ा है। तो वहीं इन सबके बीच एक और बड़ा खुलासा हो गया है। यह खुलासा किया है चीन की सेटेलाइट तस्वीरों ने। जिसने दिखा दिया है कि जॉर्डन के मुआफक साल्टी एयरबेस पर अमेरिका का सुपर डिफेंस सिस्टम ठाड यानी कि टर्मिनल हाई एल्टीट्यूड एरिया डिफेंस तैनात हो चुका है। जिनकी तैनाती की यह तस्वीरें सवाल उठा रही हैं कि क्या अमेरिका ईरान पर हमले की तैयारी कर चुका है और हमले के बाद किसी भी जवाबी हमले से निपटने के लिए अमेरिका इन डिफेंस सिस्टमकी तैनाती कर रहा है। इसकी तैनाती उस बेस पर की गई है जिसे अमेरिकी फौजों का मिडिल ईस्ट में सबसे महत्वपूर्ण फॉरवर्ड लोकेशन माना जाता है और इसलिए ईरान के खिलाफ किसी कार्रवाही से पहले अमेरिका इस बेस पर अपने आप को मजबूत कर रहा है और अब चीन ने अमेरिका के इस चाल को बेनकाब कर दिया जहां इस पूरे मामले में चीन की सेटेलाइट्स का एक अलग खेल सामने आया है।

इस सिस्टम की तैनाती का खुलासा करने के पीछे चीनी कंपनी मिजार विजन का हाथ है। जिसकी सेटेलाइट तस्वीरों ने इन सिस्टम्स की तैनाती को सार्वजनिक कर दिया है। अब सवाल उठ रहा है कि क्या चीन यह जानकारी ईरान तक पहुंचाना चाह रहा था? कुछ रिपोर्ट्स तो ऐसा दावा कर रही हैं कि चीनी युद्ध पोर्ट पर्शियन गल्फ के पास तैनात है और अमेरिकी गतिविधियों पर लगातार नजर भी बनाए हुए हैं। इन सबके बीच चीन की तरफ से अमेरिकी सिस्टम की लोकेशन लीक करना ईरान के लिए बेहद अहम हो जाता है। जहां किसी भी अमेरिकी कारवाही के बाद ईरान इस जानकारी की मदद से अमेरिकी बेसिस पर घातक हमलों को अंजाम दे सकता है। जिससे अमेरिका को भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है। थार्ड एक एडवांस एंटीबैलेस्टिक मिसाइल सिस्टम है जो दुश्मनों की बैलेस्टिक मिसाइलों को आसमान में ही मार गिराने के लिए बनाया गया है। इसकी सबसे खास बात यह है कि यह वायुमंडल के अंदर भी काम करता है और वायुमंडल के बाहर भी। अमेरिका के पास इसकी अब सिर्फ आठ बैटरीयां मौजूद हैं और इसमें इस्तेमाल होने वाली इंटरसेप्टर मिसाइलों का स्टॉक भी अब अमेरिका के पास सीमित रह गया है। जॉर्डन का मुआफाक साल्टी बेस ईरान के बेहद करीब है और अगर अमेरिका ईरान के खिलाफ कोई भी कारवाई करता है तो उसे सबसे पहले मिडिल ईस्ट में मौजूद अपनी फौजों की रक्षा को मजबूत करना होगा।

भारत से हार के बाद पाकिस्तान में गुस्सा, प्रशंसकों ने टीम पर उठाए सवाल

(एजेन्सी)।

कोलंबो में भारत और पाकिस्तान के बीच खेले गए टी20 विश्व कप मुकाबले के बाद पाकिस्तान में निराशा और गुस्से का माहौल साफ नजर आया। जैसे ही मैच खत्म हुआ, सोशल मीडिया पर प्रतिक्रियाओं की बाढ़ आ गई और कई पाकिस्तानी यूट्यूबर्स तथा प्रशंसकों ने अपनी ही टीम पर तीखे सवाल उठाए हैं।

बता दें किआईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 के ग्रुप ए मुकाबले में भारत की राष्ट्रीय क्रिकेट टीम ने पाकिस्तान की राष्ट्रीय क्रिकेट टीम को को 61 रन से करारी शिकस्त दी। मुकाबला आर प्रेमदासा स्टेडियम में खेला गया, जहां पाकिस्तानी टीम 176 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 114 रन पर सिमट गई। मैच के बाद पाकिस्तानी यूट्यूबर आगा मुस्तफा हसन ने एक रिएक्शन वीडियो में टीम की जमकर आलोचना की। उन्होंने कहा कि मुकाबले से पहले जिस तरह की बयानबाजी की गई, उसका उल्टा असर पड़ा। उनके अनुसार, अगर टीम बेहतर तैयारी के साथ उतरती तो कम से कम सम्मानजनक प्रदर्शन कर सकती थी। वहीं एक अन्य इन्फ्लुएंसर लाइबा अब्बासी ने भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव के उस बयान का जिक्र किया जिसमें उन्होंने कहा था कि फिलहाल दोनों टीमों के बीच बराबरी की टक्कर नजर नहीं आती। अब्बासी ने माना कि भारत इस समय एक अलग स्तर पर खेल रहा है और पाकिस्तान निरंतरता व संतुलन के मामले में पीछे दिख रहा है। गौरतलब है कि मैच के दौरान ही स्टेडियम में बैठे कई पाकिस्तानी प्रशंसक टीम की स्थिति देखकर निराश होकर बाहर निकलते नजर आए। सोशल मीडिया पर कुछ वीडियो भी वायरल हुए, जिनमें हार से आहत प्रशंसक टीवी तोड़ते और गुस्से में प्रतिक्रिया देते दिखाई दिए। एक प्रशंसक ने लिखा कि बार-बार की हार से वह बेहद शर्मिंदा और स्तब्ध महसूस कर रहा है।

मैदान पर भारत की ओर से इशान किशन ने 40 गेंदों में 77 रन की तेज पारी खेली और प्लेयर ऑफ द मैच रहे। उनके अलावा सूर्यकुमार यादव और शिवम दुबे ने उपयोगी योगदान दिया, जिससे टीम 175 रन तक पहुंच सकी। गेंदबाजी में जसप्रीत बुमराह, हार्दिक पांड्या और वरुण चक्रवर्ती ने दो-दो विकेट लेकर पाकिस्तान की उम्मीदों को जल्दी खत्म कर दिया।

मौजूद जानकारी के अनुसार, इस हार के बाद पाकिस्तान की नेट रन रेट भी प्रभावित हुई और टीम अंकतालिका में अमेरिका से नीचे खिसक गई। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष मोहसिन नकवी भी मैच समाप्त होने के तुरंत बाद स्टेडियम से निकलते देखे गए, हालांकि यह स्पष्ट नहीं हो पाया कि उन्होंने खिलाड़ियों से मुलाकात की या नहीं। इस नतीजे के साथ भारत ने सुपर 8 चरण में जगह पक्की कर ली है, जबकि पाकिस्तान के लिए आगे का रास्ता मुश्किल हो गया है।

'दिल्ली में सजा एआई का 'महाकुंभ', भारत बना ग्लोबल होस्ट'

(एजेन्सी)।

केंद्रीय मंत्री जितिन प्रसाद ने सोमवार को कहा कि भारत आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) के महाकुंभ की मेजबानी कर रहा है, जहां पांच दिवसीय एआई प्रभाव शिखर सम्मेलन के लिए दुनिया भर के नेता, नवोन्मेषी उद्यम, नवप्रवर्तक और शोधकर्ता एकत्र हुए हैं।

इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री ने कहा कि इस शिखर सम्मेलन के नतीजों पर न केवल भारत की बल्कि पूरी दुनिया की नजर है। उन्होंने कहा, दुनिया यहां एकजुट हो रही है और यह वास्तव में ऐतिहासिक है। यह भारत की प्रगति यात्रा में एक बड़ी उपलब्धि एवं गौरव का क्षण है कि हम इतनी व्यापक अंतरराष्ट्रीय भागीदारी के साथ इस इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट की मेजबानी कर रहे हैं जिसमें राष्ट्राध्यक्षों से लेकर प्रौद्योगिकी जगत के दिग्गज तक शामिल हो रहे हैं। मंत्री ने कहा कि इस सम्मेलन के लिए नवोन्मेषी उद्यम, नवप्रवर्तक और शोधकर्ता भी यहां पहुंचे हैं। प्रसाद ने कहा, इसलिए मैं कह सकता हूं कि यह वास्तव में प्रयागराज के कुंभ जैसा है। यह एआई का महाकुंभ है जिसकी मेजबानी भारत कर रहा है।

यह सम्मेलन 16 से 20 फरवरी तक राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित किया जा रहा है। इसमें कई देशों के प्रतिनिधि शामिल हो रहे हैं जिनमें मंत्री, वरिष्ठ अधिकारी, विदेशी प्रतिनिधि तथा अंतरराष्ट्रीय संगठनों के सदस्य शामिल हैं। यह सम्मेलन ब्रिटेन, दक्षिण कोरिया और फ्रांस में हुए पिछले आयोजनों के बाद चौथा एआई शिखर सम्मेलन है। वैश्विक प्रौद्योगिकी दिग्गज सुंदर पिचाई और सैम ऑल्टमैन के साथ-साथ ब्राजील व फ्रांस सहित लगभग 20 देशों के नेता भी शिखर सम्मेलन में भाग लेने वाले लगभग 100 देशों के प्रतिभागियों में शामिल हैं।

गौरतलब है कि महाकुंभ दुनिया का सबसे बड़ा एवं पवित्र हिंदू तीर्थ आयोजन माना जाता है। यह हर 12 वर्ष में प्रयागराज (उत्तर प्रदेश) में आयोजित किया जाता है और इसमें देश-विदेश से करोड़ों श्रद्धालु पहुंचते हैं। पिछला महाकुंभ वर्ष 2025 में आयोजित किया गया था।

भारत का चीनी निर्यात बढ़ा! फरवरी तक 2 लाख टन का आंकड़ा पार

(एजेन्सी)।

भारत ने चालू विपणन वर्ष 2025-26 में चीनी निर्यात के मोर्चे पर ठोस बढ़त हासिल की है। अखिल भारतीय चीनी व्यापार संघ द्वारा सोमवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, फरवरी तक देश ने कुल 2,01,547 टन चीनी का निर्यात सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। वैश्विक बाजार में भारतीय चीनी की मांग में संयुक्त अरब अमीरात शीर्ष पर रहा है। अखिल भारतीय चीनी व्यापार संघ (एआईएसटीए) ने सोमवार को यह जानकारी दी। चीनी निर्यात पर सरकार का नियंत्रण बना हुआ है जिसके तहत मिल के बीच आनुपातिक रूप से कोटा वितरित किया जाता है। केंद्र सरकार ने 2025-26 विपणन वर्ष (अक्टूबर-सितंबर) के लिए कुल 20 लाख टन निर्यात को मंजूरी दी है जिसमें हाल ही में स्वीकृत अतिरिक्त पांच लाख टन भी शामिल है। एआईएसटीए ने बयान में कहा कि कुल निर्यात में सफेद चीनी की हिस्सेदारी 163,000 टन रही जबकि परिष्कृत चीनी की हिस्सेदारी 37,638 टन थी। संयुक्त अरब अमीरात को सबसे अधिक 47,006 टन चीनी निर्यात की गई। इसके बाद अफगानिस्तान को 46,163 टन, जिबूती को 30,147 टन और भूटान को 20,017 टन चीनी निर्यात हुई। एआईएसटीए ने विपणन वर्ष के लिए अपने पहले अनुमान में कहा कि सितंबर में समाप्त होने वाले 2025-26 विपणन वर्ष में भारत का चीनी उत्पादन, एथनॉल के लिए चीनी के बदलाव को छोड़कर 13 प्रतिशत बढ़कर 2.96 करोड़ टन रहने का अनुमान है। उद्योग निकाय ने इच्छुक मिल को आनुपातिक आधार पर अतिरिक्त पांच लाख टन निर्यात की अनुमति देने के सरकार के निर्णय का स्वागत किया है।

आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान सरकार की प्राथमिकता: रणबीर गंगवा

जिला लोक संपर्क एवं कष्ट निवारण समिति की बैठक में 5 शिकायतों का मौके पर निपटारा

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। हरियाणा के लोक निर्माण एवं जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री रणबीर गंगवा ने कहा कि प्रदेश सरकार का मुख्य ध्येय आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान करना है। सरकार की नीति के तहत प्रत्येक जिले में मंत्रियों व स्वयं मुख्यमंत्री द्वारा जिला लोक संपर्क एवं कष्ट निवारण समिति की बैठकों की अध्यक्षता की जाती है, ताकि स्थानीय विधायकों और अधिकारियों के साथ मिलकर जनसमस्याओं का प्रभावी समाधान सुनिश्चित किया जा सके।

कैबिनेट मंत्री सोमवार को पंचायत भवन के सभागार में आयोजित जिला लोक संपर्क एवं कष्ट निवारण समिति की बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। बैठक में कुल 13 शिकायतें रखी गईं, जिनमें से 5 का मौके पर निपटारा किया गया, जबकि शेष 8 शिकायतों पर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

केंद्रीय बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि यह बजट ऐतिहासिक है और देश को आगे ले जाने वाला है। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 2047 तक विकसित भारत के विजन के अनुरूप है, जिसमें युवाओं के लिए विशेष प्रावधान किए गए हैं। उन्होंने कहा कि इसी विजन के साथ मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में 20 फरवरी को पेश होने वाला हरियाणा का बजट भी ऐतिहासिक होगा, जो अंत्योदय को राहत देने वाला और प्रदेश को विकास के पथ पर तेजी से आगे बढ़ाने वाला साबित होगा। खेल नीति पर बोलते हुए मंत्री ने कहा कि हरियाणा की खेल नीति देश में सर्वश्रेष्ठ है। प्रदेश सरकार खिलाड़ियों को सर्वाधिक नकद पुरस्कार और सुविधाएं प्रदान कर रही है, जिसके परिणामस्वरूप देश के कुल पदकों में बड़ी हिस्सेदारी हरियाणा के खिलाड़ियों की रहती है। उन्होंने हाल ही में टी-20 विश्व कप में भारत-पाकिस्तान मैच में भारतीय टीम की जीत पर भी खिलाड़ियों को बधाई दी।

विपक्ष पर निशाना साधते हुए रणबीर गंगवा ने कहा कि विपक्षी दल गुटों में बंटे हुए हैं और जनता के बीच भ्रामक प्रचार कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि पूर्व सरकारों ने अपने 10 वर्षों के कार्यकाल में पेंशन में केवल 500 रुपये की वृद्धि की थी, जबकि भाजपा सरकार ने पिछले 10 वर्षों में 2200 रुपये तक की बढ़ोतरी की है। साथ ही, पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर द्वारा पेंशन की आय सीमा को बढ़ाकर 3 लाख रुपये करने का उल्लेख भी किया।

एक अन्य प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा निरंतर प्रगति कर रहा है। मुख्यमंत्री जनता से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं का समाधान कर रहे हैं, जिससे उनकी लोकप्रियता बढ़ी है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार किसान कल्याण के लिए भी प्रतिबद्ध है और पिछले 10 वर्षों में किसानों को दिए जाने वाले मुआवजे की राशि में 10 गुना तक वृद्धि की गई है।

हरजोत सिंह बैंस ने शिक्षा प्रणाली में ईमानदारी और पवित्रता बनाए रखने के प्रति प्रतिबद्धता व्यक्त की

संजना भारती/विज्ञप्ति द्वारा

चंडीगढ़। राज्य की शिक्षा प्रणाली की पवित्रता और ईमानदारी को बनाए रखने के लिए बड़ी कार्रवाई करते हुए पंजाब सरकार ने लुधियाना के एक फर्जी स्कूल के खिलाफ सख्त कार्रवाई की है, क्योंकि इस स्कूल में प्रैक्टिकल परीक्षा के लिए सुविधाओं की कमी के बावजूद 12वीं की परीक्षाओं के लिए छात्रों को रजिस्टर किया गया था।

इस संबंध में जानकारी साझा करते हुए पंजाब के शिक्षा मंत्री स. हरजोत सिंह बैंस ने बताया कि पंजाब स्कूल शिक्षा बोर्ड (पी.एस.ई.बी.) द्वारा दसमेश पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल, महिदूदां, लुधियाना (स्कूल कोड 3100187) के खिलाफ सख्त कार्रवाई शुरू कर दी गई है, जिसमें मान्यता वापस लेना और फर्जी दस्तावेज जमा करने के लिए आपराधिक शिकायत दर्ज करना शामिल है। उन्होंने बताया कि पी.एस.ई.बी. ने स्कूल द्वारा रजिस्टर किए गए सभी 27 छात्रों के रोल नंबर भी रद्द कर दिए हैं। स. हरजोत सिंह बैंस ने बताया कि फिजिकल जांच के दौरान इस स्कूल का कोई अस्तित्व सामने नहीं आया, इसकी इमारत किराए पर दी गई थी और कोई कक्षा नहीं चल रही थी। 12वीं कक्षा की परीक्षाओं के लिए रजिस्टर्ड 27 छात्रों के रोल नंबर भी मौजूद नहीं थे, जिसके कारण पी.एस.ई.बी. ने उनके रोल नंबर रद्द कर दिए। उन्होंने बताया कि चार अन्य स्कूल जांच के अंतर्गत हैं क्योंकि पंजाब सरकार शिक्षा की गुणवत्ता से समझौता करने वाली और परीक्षा में गड़बड़ियां करने वाली संस्थाओं पर शिकंजा कसने के लिए प्रतिबद्ध है।

स. हरजोत सिंह बैंस ने कहा, "मुख्यमंत्री स. भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार मानक शिक्षा सुनिश्चित करने और छात्रों के भविष्य की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। हम 'गोस्ट स्कूल' चलाने वाली और छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ करने वाली संस्थाओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई करेंगे और कोई नरमी नहीं बरती जाएगी।"

गांव करोडा आंगनवाड़ी केंद्र में बेटियों के सशक्तिकरण पर विशेष बैठक आयोजित

गांव करोडा रजनी आंगनवाड़ी केंद्र में महिलाओं और बालिकाओं के कार्यक्रम आयोजित। (छाया: एसबी)

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार राजौंद। गांव करोडा में रजनी की आंगनवाड़ी केंद्र में सोमवार को महिलाओं और बालिकाओं के हित में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में किशोरी बालिकाओं की पढ़ाई, सुरक्षा, स्वास्थ्य और आत्मनिर्भरता को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। उपस्थित महिलाओं को बताया गया कि किस प्रकार बेटियों को पढ़ाई के साथ-साथ जीवन कौशल, आत्मरक्षा और आत्मविश्वास से जोड़कर मजबूत बनाया जा सकता है।

बैठक में यह भी बताया गया कि आज के समय में बेटियों को केवल घरेलू जिम्मेदारियों तक सीमित न रखकर उन्हें आगे बढ़ने के समान अवसर दिए जाने चाहिए। वक्ताओं ने कहा कि बेटियां किसी से कम नहीं हैं और यदि उन्हें सही मार्गदर्शन मिले तो वे हर क्षेत्र में परिवार व समाज का नाम रोशन कर सकती हैं। महिलाओं को सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी दी गई, जिनका उद्देश्य बेटियों की शिक्षा और भविष्य को सुरक्षित करना है। इसके साथ ही बालिकाओं की सुरक्षा को लेकर सतर्क रहने, किसी भी प्रकार की परेशानी की स्थिति में तुरंत संबंधित विभाग या आंगनवाड़ी कार्यकर्ता को सूचना देने पर जोर दिया गया। बैठक में मौजूद महिलाओं ने भी अपने विचार रखे और इस तरह की जागरूकता बैठकों को नियमित रूप से आयोजित करने की मांग की।

■ बालिकाओं की शिक्षा, सुरक्षा व आत्मनिर्भरता पर किया गया विस्तार से विचार

बैठक में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, आशा वर्कर सहित अनेक महिलाएं उपस्थित रहीं। सभी ने एकजुट होकर बेटियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए सहयोग करने का संकल्प लिया।

हरविन्द्र कल्याण ने किया सेक्टर 9 का दौरा

बेहतर कनेक्टिविटी और मूलभूत सुविधाओं के लिए अधिकारियों को दिए निर्देश

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। घरौंडा के सेक्टर-9 में बेहतर आवासीय सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने सोमवार को अधिकारियों के साथ क्षेत्र का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने सेक्टर की कनेक्टिविटी को मजबूत बनाने और भविष्य की विकास योजनाओं पर विस्तार से विचार-विमर्श किया।

पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने बताया कि हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण (एचएसवीपी) द्वारा विकसित सेक्टर-9 के मौजूदा प्लान की समीक्षा की गई है। प्लॉट धारकों को बेहतर सुविधाएं मिलें, इसके लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि सेक्टर में सामुदायिक केंद्र, वाणिज्यिक साइट और पार्क जैसी मूलभूत सुविधाओं को विकसित करने की योजना तैयार की जा रही है। सेक्टर को डींगर माजरा रोड से जोड़ने के मुद्दे पर उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि भूमि स्वामी सहयोग करें और जमीन उपलब्ध कराएं तो बेहतर कनेक्टिविटी संभव है। इसके लिए जमीन मालिकों से संवाद स्थापित करने के निर्देश दिए गए हैं।

स्पीकर ने कहा कि सभी विषयों पर निचले स्तर पर विस्तृत योजना तैयार की जाएगी और जो भी कार्य संभव होगा, उसे प्राथमिकता के आधार पर आगे बढ़ाया जाएगा। उनका प्रयास है कि सेक्टर-9 में निवासियों को सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध हों और क्षेत्र का शीघ्र विकास सुनिश्चित हो।

उल्लेखनीय है कि सेक्टर-9 में चार, पांच और छह मरला आकार के कुल 294 प्लॉट हैं। हालांकि, अधिकांश प्लॉट अभी खाली हैं। एचएसवीपी द्वारा वर्ष 2022 में यह सेक्टर विकसित किया गया था। वर्तमान में इसकी कनेक्टिविटी कैमला रोड से है।

इस अवसर पर एचएसवीपी की संपदा अधिकारी अदिति, एसडीएम राजेश सोनी, नगरपालिका चेयरमैन हैप्पी लक गुप्ता, मार्केट कमेटी चेयरमैन राजकुमार पालीवाल, तहसीलदार तरुण प्रकाश, नायब तहसीलदार अरविंद यादव, भाजपा मंडल अध्यक्ष रोहित भंडारी, एमई संदीप लाठर व पुरुषोत्तम सेठी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

हीरो शोरूम में लोकल तकनीशियन मीटिंग का आयोजन

एसबी ब्यूरो

बेगूसराय। हरपुर स्थित बेगूसराय हीरो शोरूम में शनिवार को लोकल तकनीशियन मीटिंग किया गया। जिसमें सौ से अधिक मैकेनिक शामिल हुए थे। उन्हें हीरो की नई 125 सीसी मोटर ग्लैमर एक्स के फीचर के बारे में बताया गया कि इसमें क्रूज कंट्रोल, तीन मोड, पैनिक ब्रेक अलर्ट और भी बहुत सारे फीचर्स के बारे में बताया गया। गाड़ी के रख रखाव के बारे में भी बताया गया इस मौके पर बेगूसराय हीरो के प्रोपराइटर विष्णु मेंगोटिया ने सभी मैकेनिक जिन्हें हीरो के भाषा में असली हीरो बताया जाता है।

इस मौके पर बेगूसराय हीरो शोरूम से त्रिलोकी रस्तोगी, अनिल कुमार, विकाश कुमार सहित अन्य शामिल थे।

प्रदेश में वन्य जीव पर्यटन को किया जाए प्रोत्साहित: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

एसबी संवाददाता

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में वन्य जीवों के संरक्षण के दिशा में हो रहे बेहतर कार्य के परिणाम स्वरूप प्रदेश में वन्य जीवों की संख्या में वृद्धि हुई है। इस स्थिति में मानव-वन्य जीव सह अस्तित्व को प्रोत्साहित करने के लिए जनता को जागरूक करने तथा उन्हें आवश्यक सतर्कता बरतने के उपायों की जानकारी देना आवश्यक है। इसके साथ ही वन विभाग द्वारा पर्यटन विभाग से समन्वय करते हुए प्रदेश में वन्य जीव पर्यटन को प्रोत्साहित करने के लिए गतिविधियां संचालित की जाएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्कूली बच्चों को वन और वन्य जीवों से परिचित कराने के लिए संचालित किऐ जा रहे अनुभूति कार्यक्रम का विस्तार करने और इस गतिविधि में अधिक से अधिक शालाओं को शामिल करने की आवश्यकता बताई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मध्यप्रदेश राज्य वन्य प्राणी बोर्ड की मंत्रालय में हुई 31वीं बैठक में यह निर्देश दिए। बैठक में वन राज्यमंत्री श्री दिलीप अहिरवार, मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव श्री अशोक बर्णवाल, प्रमुख सचिव वन श्री संदीप यादव सहित वन विभाग के अधिकारी और वन्य प्राणी बोर्ड के सदस्य उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश से अन्य राज्यों को वन्य जीव उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इसके बदले में उन राज्यों से भी वन्य जीव मध्यप्रदेश लाए जाएं। इससे प्रदेश में वन्य जीवों की विविधता बढ़ेगी। उन्होंने वन्य जीव प्रबंधन में अन्य राज्यों द्वारा किए जा रहे नवाचारों और बेस्ट प्रेक्टिसेस को अपनाने की बात भी कही। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विश्वविद्यालयों तथा अन्य संस्थाओं को जोड़कर वन और वन्य जीव के संबंध में अध्ययन प्रक्रिया को प्रोत्साहित किया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वन क्षेत्र में विद्यमान पुरातात्विक धरोहरों के संरक्षण की श्रेष्ठ व्यवस्था हो, वन और पुरातत्व विभाग तथा इस क्षेत्र में कार्य करने वाली संस्थाओं की कार्यशाला भी आयोजित की जाए। बैठक में प्रदेश में बढ़ रही हाथियों की संख्या को दृष्टिगत करते हुए हाथियों पर केंद्रित पर्यटन गतिविधियां संचालित करने के संबंध में चर्चा हुई। माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के कुलगुरू श्री विजय मनोहर तिवारी ने हाथी प्रबंधन पर विश्वविद्यालय द्वारा आलेख लेखन का प्रस्ताव रखा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सर्पदंश की घटनाओं में प्रभावितों की जान बचाने के उद्देश्य से प्रत्येक ग्राम पंचायत में कम से कम 2 व्यक्तियों को सांप पकड़ने तथा प्रभावित को बचाने के लिए प्रारंभिक रूप में सहायता करने संबंधी आवश्यक प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाए।

असंध-कैथल मार्ग पर धंसा डम्पर, सिवरेज खुदाई की कच्ची मिट्टी बनी परेशानी

बड़ा हादसा टला, बाल-बाल बची चालक की जान, लोगों में भारी रोष

राजौंद-कैथल मार्ग पर गड्ढे में धंसा डम्पर। (छाया: एसबी)

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार राजौंद। शहर में विकास के दावों की हकीकत सोमवार दोपहर उस समय सामने आ गई, जब असंध-कैथल मुख्य मार्ग पर एक खाली डंपर सिवरेज पाइपलाइन दबाने के लिए खोदी गई कच्ची मिट्टी वाली सड़क पर बने गहरे गड्ढे में धंस गया। हादसा इतना भयावह था कि डंपर का पिछला हिस्सा पूरी तरह जमीन में समा गया, जिससे सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और यातायात घंटों तक बाधित रहा।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, डंपर निर्माण सामग्री लेने के लिए जा रहा था। जैसे ही वह मेन बाजार के समीप पहुंचा, अचानक सड़क धंस गई और तेज आवाज के साथ डंपर का पहिया गहरे गड्ढे में फंस गया। गनीमत रही कि डंपर पलटा नहीं, अन्यथा बड़ा हादसा हो सकता था। चालक दीपक ने सूझबूझ दिखाते हुए समय रहते कूदकर अपनी जान बचाई, हालांकि डंपर काफी टेढ़ा हो गया। हादसे के बाद स्थानीय लोगों और दुकानदारों में भारी आक्रोश देखने को मिला। लोगों का कहना है कि सड़क की बदहाल स्थिति को लेकर कई बार प्रशासन को अवगत कराया गया, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। एक दुकानदार ने कहा, यह गड्ढा नहीं बल्कि मौत का जाल है। टैक्स तो पूरा लिया जाता है, लेकिन बदले में गड्ढों से भरी सड़कें मिलती हैं। घटना की सूचना मिलने पर प्रशासन और पुलिस मौके पर पहुंची तथा डंपर को हटाने की कार्रवाई शुरू की गई। स्थानीय लोगों ने मांग की है कि सड़क की तुरंत मरम्मत कर जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं से बचा जा सके।

हरियाणा पुलिस अकादमी में लोक अभियोजकों का 10 दिवसीय प्रशिक्षण शुरू

लोक अभियोजक आपराधिक न्याय प्रणाली के स्तंभ है: राजेश चौधरी

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। हरियाणा पुलिस अकादमी मधुबन के डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन सम्मेलन कक्ष में लोक अभियोजक अधिकारियों के लिए 10 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। 16 से 27 फरवरी 2026 तक चलने वाले इस प्रशिक्षण में प्रदेश के 18 लोक अभियोजक अधिकारी भाग ले रहे हैं।

कार्यक्रम के कोर्स संयोजक श्री बलजिन्द्र सिंह, पुलिस अधीक्षक अकादमी रहे। अकादमी की ओर से जिला न्यायवादी श्रीमती गीतांजली आहूजा ने मुख्य अतिथि वक्ता श्री राजेश चौधरी, डिप्टी डायरेक्टर प्रोसिक्यूशन, पानीपत को स्मृति-चिह्न स्वरूप पौधा भेंट कर सम्मानित किया।

प्रारंभिक सत्र को संबोधित करते हुए राजेश चौधरी ने कहा कि वे अकादमी की निदेशक श्रीमती कला रामचन्द्रन के आभारी हैं, जिन्होंने उन्हें प्रतिभागियों से संवाद का अवसर दिया। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति दूसरों से कुछ न कुछ सीख सकता है, आवश्यकता केवल सकारात्मक दृष्टिकोण की है।

उन्होंने लोक अभियोजकों को आपराधिक न्याय प्रणाली का महत्वपूर्ण अंग बताते हुए कहा कि यदि यह कहा जाए कि आप आपराधिक न्याय प्रणाली के एक स्तंभ हैं, तो इसमें कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि लोक अभियोजक का दायित्व केवल दोष सिद्ध करना नहीं, बल्कि सत्य और न्याय की स्थापना करना है।

अपने व्याख्यान में उन्होंने न्यायालय में राज्य की ओर से अभियोजन पक्ष को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने, पुलिस द्वारा एकत्र साक्ष्यों की गहन जांच, उन्हें विधिसम्मत तरीके से न्यायालय में पेश करने, गवाहों की तैयारी व जिरह की रणनीति तथा पुलिस व अन्य जांच एजेंसियों को आवश्यक कानूनी मार्गदर्शन देने जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा की।

इस अवसर पर श्रीमती गीतांजली आहूजा, जिला न्यायवादी अकादमी एवं श्री शरीफ सिंह, उप पुलिस अधीक्षक अकादमी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

तनाव के साथ नहीं बल्कि आत्मविश्वास के साथ दे बोर्ड परीक्षा: डीसी अपराजिता

बोर्ड परीक्षाओं को लेकर डीसी ने विद्यार्थियों को दिए महत्वपूर्ण सुझाव

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल। केंद्रीय माध्यमिक विद्यालय बोर्ड की परीक्षाएं 17 फरवरी से शुरू होने जा रही हैं। परीक्षाओं के मद्देनजर कैथल की डीसी अपराजिता ने जिले के तमाम विद्यार्थियों के नाम एक विशेष प्रेरणादायक संदेश जारी किया है। उन्होंने छात्रों से अपील की है कि वे परीक्षा को बोझ न समझें, बल्कि इसे एक उत्सव की तरह लें।

विद्यार्थियों का मनोबल बढ़ाते हुए डीसी अपराजिता ने अपने छात्र जीवन के अनुभव साझा किए। उन्होंने कहा कि मैं भी विद्यार्थी जीवन जी चुकी हूँ और भली-भांति जानती हूँ कि परीक्षा के दौरान मन में किस तरह की घबराहट होती है। लेकिन याद रखें, कोई भी परीक्षा आपके संपूर्ण व्यक्तित्व का आकलन नहीं कर सकती। यह केवल एक प्रक्रिया है जो आपके समय प्रबंधन, ज्ञान और आत्मविश्वास को परखती है।

डीसी ने अंतिम समय की तैयारी के लिए विद्यार्थियों को कुछ महत्वपूर्ण सुझाव दिए हैं। उन्होंने कहा कि अब कुछ भी नया पढ़ने के बजाय जो पढ़ा है, उसके रिवीजन पर ध्यान दें। परीक्षा के दौरान अच्छा और पौष्टिक आहार लें। मस्तिष्क की कार्यक्षमता बनाए रखने के लिए समय पर सोएं और समय पर उठें। नींद पूरी होना तनाव कम करने की पहली सीढ़ी है। मन में परिणाम को लेकर चिंता न पालें। अपनी मेहनत पर भरोसा रखें।

डीसी ने छात्रों को आश्वस्त किया कि जिला प्रशासन द्वारा परीक्षा केंद्रों पर पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। नकल रहित परीक्षा सुनिश्चित की जाएगी। केंद्रों के आसपास शांतिपूर्ण और व्यवस्थित वातावरण सुनिश्चित किया जाएगा ताकि विद्यार्थी बिना किसी बाहरी व्यवधान के एकाग्रता के साथ अपनी परीक्षा लिख सकें। उन्होंने अभिभावकों और शिक्षकों से भी अनुरोध किया कि वे बच्चों पर अंकों का दबाव न बनाएं और उन्हें सकारात्मक माहौल प्रदान करें। डीसी अपराजिता ने कहा कि ईमानदारी और मेहनत से दी गई परीक्षा ही सच्ची उपलब्धि होती है। अपने गुरुजनों के मार्गदर्शन पर भरोसा रखें और बिना किसी डर के अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करें।

ट्रेड डील सहित अन्य मुद्दों को लेकर कांग्रेस ने सरकार के खिलाफ किया विरोध प्रदर्शन

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। करनाल में जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा विभिन्न जनसमस्याओं व मुद्दों को लेकर भाजपा सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया गया। यह प्रदर्शन ट्रेड डील, बुढ़ापा पेंशन कटौती, राशन कार्ड काटे जाने अन्य जनसमस्याओं के विरोध में किया गया। इसे बाद राष्ट्रपति के नाम एक ज्ञापन जिला प्रशासन को सौंपा गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता शहरी जिलाध्यक्ष पराग गाबा और ग्रामीण जिलाध्यक्ष राजेश वैद्य ने की। इस अवसर पर पूर्व विधायक सुमिता सिंह, सुरेश गुप्ता, उपाध्यक्ष जोगिन्द्र वाल्मीकि, दिलशेर डाचर, बिंदर पोसवाल, तरुण चौहान, ललित आहूजा, दीपक महाजन, तेजी मान, दीपक चौधरी, अशोक दुग्गल, प्रल्हाद सिंह संधू, सुरेंद्र नंबरदार, युवराज सिंह भट्टी, प्रवीन पूनिया, जितेंद्र पांचाल, शेर सिंह डबरी, दया प्रकाश, रमेश जोगी, पृथ्वी बाट, गुरमीत सिंह, राजेंद्र नंबरदार, कृष्ण गहलोत, राकेश कुमार, विनोद शर्मा, नवनित रंधावा, हरपाल कलामपुरा, राजीव गोंदर, अनिल शर्मा, सोनी शर्मा, गुरविंदर कौर मौजूद रहे। सोमवार को कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता सेक्टर-12 में

एकत्रित हुए और धरना देते हुए सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। इसके बाद सभी कांग्रेस नेता एवं कार्यकर्ता जिला सचिवालय पहुंचे और ज्ञापन सौंपा गया। इस अवसर पर पराग गाबा ने कहा कि भारत अमेरिका ट्रेड डील से किसानों को नुकसान होगा। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार किसानों के साथ अन्याय कर रही है। यह समझौता देश की कृषि अर्थव्यवस्था एवं किसानों के हितों के विरुद्ध है। साथ ही उन्होंने बुढ़ापा पेंशन में कटौती और राशन कार्ड काटे जाने के मुद्दे को लेकर भी सरकार पर निशाना साधा। ग्रामीण जिलाध्यक्ष राजेश वैद्य ने कहा कि हरियाणा लोक सेवा आयोग (एचपीएससी) में हरियाणा के युवाओं की अनदेखी की जा रही है।

प्रदेश का पढ़ा-लिखा युवा बेरोजगारी की मार झेल रहा है। वहीं पूर्व विधायक सुमिता सिंह, सुरेश गुप्ता सहित अन्य नेताओं ने भी अपने विचार व्यक्त किए और सरकार से जनहित मांगों को पूरा करने की अपील की।

भारत-अमरीका व्यापार समझौता केंद्र का किसानों के साथ बड़ा विश्वासघात: कुलतार सिंह संधवा

एसबी संवाददाता

चंडीगढ़। पंजाब विधान सभा के स्पीकर स. कुलतार सिंह संधवा ने केंद्र सरकार पर भारत-अमरीका व्यापार समझौते के जरिए देश के किसानों के साथ धोखा करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि यह समझौता भारत के किसानों के लिए काफी नुक्सानदेय साबित होगा।

उन्होंने कहा कि यह समझौता न केवल हमारे अन्नदाता को तबाह करेगा बल्कि उनके हितों को भी नुक्सान पहुंचाएगा। उन्होंने केंद्र सरकार के इस फैसले की सख़्त निंदा करते हुए कहा कि भाजपा सरकार लगातार हमारे देश के किसानों को गुमराह कर रही है। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार हर कदम पर किसानों के साथ कंधे से कंधा लगा कर खड़ी है।

स. संधवा ने इस बात पर जोर दिया कि वाजिब कीमतों, सबसिडियों, बुनियादी ढांचा और जोखिम सुरक्षा जैसे मजबूत घरेलू समर्थन के बिना, विदेशी कारोबार के लिए भारतीय बाजार खोलने का यह कदम छोटे और सीमांत किसानों के लिए बड़ी परेशानी खड़ी कर सकता है। उन्होंने कहा कि इस सम्बन्धित किसानों का विरोध एक चेतावनी संकेत है। उन्होंने कहा कि यदि सरकार यह समझती है कि यह समझौता सचमुच किसानों के हितों को प्राथमिकता देता है तो उसको पारदर्शिता, सांसदीय बहस और अर्थपूर्ण विचार-विमर्श के द्वारा यह साबित करना चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर ऐसा नहीं किया जाता तो कृषि सैक्टर में सुधारों की यह धारणा एक बार फिर देश का पेट भरने वाले हमारे किसानों की शंका-चिंताओं को दूर करने में असफल रहेगी।

वीर पहाड़िया से ब्रेकअप की अफवाहों के बीच दिमागी सुकून पर बोलीं सुतारिया

तारा सुतारिया इन दिनों वीर पहाड़िया के साथ कथित तौर पर ब्रेकअप को लेकर सुर्खियों में हैं। कयास लगाए जा रहे हैं कि वीर पहाड़िया से उनका ब्रेकअप हो गया है। इस बीच उन्होंने बताया है कि वह अपने दिमागी सुकून पर ध्यान दे रही हैं। आइए जानते हैं उन्होंने और क्या कहा है।

क्या है जिंदगी का मकसद?

बातचीत में तारा सुतारिया ने कहा 'मैंने हमेशा से इस बात पर यकीन किया है कि असली कामयाबी दिमागी सुकून में है। मेरी जिंदगी का यह मकसद रहा है कि आपके पास जो मुट्ठी भर लोग हैं, वह आपको प्यार करें और आपको जानें।' उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि जैसे-जैसे करियर आगे बढ़ा है, शांत रहना और भी जरूरी हो गया है।

शांति की रक्षा करना सीखा

तारा सुतारिया ने बताया कि उन्हें यह समझने में समय लगा कि उन्हें अच्छा महसूस करने के लिए क्या चाहिए। उन्होंने कहा, 'मैंने अपनी शांति की रक्षा करना सीख लिया है। सिर्फ हम जानते हैं कि अपने नर्वस सिस्टम को कैसे शांत करना है।'

वायरल वीडियो के बाद फैली अफवाह

हाल ही में खबरें आईं कि तारा सुतारिया और वीर पहाड़िया का ब्रेकअप हो गया है। हालांकि दोनों ने इस पर कुछ नहीं कहा है। एपी ढिल्लों के मुंबई कॉन्सर्ट के वायरल वीडियो के बाद उनके ब्रेकअप की अफवाहें फैलीं। इस वीडियो की सुतारिया ने आलोचना की और इसे पेड पीआर बताया। वहीं पहाड़िया ने कहा कि जो क्लिप सर्कुलेट हो रही थी, उसे एडिट किया गया था।

पैपराजी पर भड़कीं आयशा खान, एआई के गलत इस्तेमाल को भी बताया खतरनाक

आजकल एआई से किसी फोटो या वीडियो को एडिट करना कोई बड़ी बात नहीं है। एडिट होने के बाद भी आप असली और एडिट किए हुए फोटो में फर्क नहीं बता सकते। इसी को लेकर एक्ट्रेस आयशा खान ने खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि कैसे उनके फोटो और वीडियो एआई से एडिट करके वायरल किए जाते हैं। जो देखने में बिलकुल असली लगते हैं।

से किसी की इमेज बदलना बहुत डिस्टर्बिंग

आयशा खान ने कहा कि उन्हें खुद कई ऐसे बदले हुए फोटो सोशल मीडिया पर मिले हैं, जो देखने में बहुत असली लगते हैं। इन तस्वीरों को देखकर उन्हें काफी दुख होता है और डिस्टर्बिंग लगता है। पिंकविला के साथ इंटरव्यू में आयशा ने कहा, 'एआई वाली चीज बहुत डरावनी हो गई है। इंटरनेट पर महिलाओं को सेक्सुअलाइज करने के लिए ऐप बनाना बहुत ही खतरनाक है। मेरे और विजय सर की एक तस्वीर को एआई वीडियो में बदल दिया गया, जैसे हम गले मिल रहे हों। जिसके बाद मुझे बताना पड़ा कि ऐसा कभी हुआ ही नहीं। ज्यादातर लोग यह समझ ही नहीं पाते हैं कि यह सब एआई से किया गया है।'

पैपराजी के वीडियो पर क्या बोलीं आयशा?

पैपराजी के वीडियो और वायरल क्लिप्स के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, 'लोग सहमति को नहीं समझते। बिना पूछे आप किसी का वीडियो या फोटो नहीं ले सकते। आप जानते हैं कि यह गलत है, फिर भी किसी का 'oops' मूमेंट कैप्चर करके उसे पोस्ट कर देते हैं। हालांकि कई फोटोग्राफ़र उनकी सीमाओं का सम्मान करते हैं। जब वह किसी फोटो को पोस्ट ना करने को कहती हैं, तो वे मान जाते हैं और उसे सोशल मीडिया पर पोस्ट नहीं करते हैं।'

आयशा का शरारत गाना हुआ खूब वायरल

आयशा खान हाल ही में धुरंधर के 'शरारत' गाने में नजर आई थीं। इसमें उनके साथ क्रिस्टल डिसूजा ने भी परफॉर्म किया था। यह गाना सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुआ।

डार्क और चैलेंजिंग रोल में नेगेटिव शेड के साथ नजर आएंगी रश्मिका मंदाना

अल्लू अर्जुन और एटली एक फिल्म पर काम कर रहे हैं। इस फिल्म के टाइटल का अभी एलान नहीं किया गया है। इसके बावजूद फिल्म ने काफी चर्चा बटोर ली है। फैंस इस बात को लेकर उत्साहित हैं कि इस प्रोजेक्ट में पहली बार एक पावरफुल स्टार और एक ब्लॉकबस्टर डायरेक्टर साथ काम कर रहे हैं। कई लोगों का मानना है कि यह फिल्म आने वाले वक्त में सबसे बड़ी फिल्मों में से एक होगी।

लेट्स ओटीटी के मुताबिक इस प्रोजेक्ट की खास बात यह है कि इसमें रश्मिका मंदाना नजर आएंगी। बताया जाता है कि रश्मिका मंदाना एक डार्क और चैलेंजिंग रोल में नेगेटिव शेड के साथ नजर आएंगी। फिल्म में रश्मिका का किरदार उन खुशमिजाज किरदारों से बहुत अलग है, जो वह आमतौर पर स्क्रीन पर निभाती हैं। यह भी कहा जा रहा है कि अल्लू अर्जुन ने पर्सनली इस रोल के लिए उनका नाम सजेस्ट किया था। फैंस को लगता है कि यह किरदार रश्मिका का बिल्कुल नया साइड सामने लाएगा।

फिल्म में दीपिका पादुकोण लीड फीमेल रोल में हैं। दो मजबूत एक्ट्रेस के अहम रोल निभाने से फिल्म को लेकर उम्मीदें और भी बढ़ गई हैं। कई फैंस यह देखने के लिए बेताब हैं कि फिल्म में उनके किरदार कैसे होंगे। खबर है कि रश्मिका ने इस हफ्ते अपने हिस्से की शूटिंग शुरू कर दी है। वह फरवरी भर काम करती रहेंगी। इस महीने के आखिर में वह अपनी शादी के लिए छोटा ब्रेक ले सकती हैं। फिल्म का प्रोडक्शन आसानी से चल रहा है। करीब 25 से 30 प्रतिशत शूटिंग पहले ही पूरी हो चुकी है।

'स्पिरिट' से बाहर होने की अफवाह के बीच प्रकाश राज ने किया नई फिल्म का एलान

बीते दिनों प्रकाश राज को लेकर ऐसी अफवाहें चलीं कि वे संदीप रेड्डी वांगा के निर्देशन में बन रही फिल्म 'स्पिरिट' से बाहर हो गए हैं। हालांकि, प्रकाश राज ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए कल सोमवार को इन अफवाहों को खारिज कर दिया। आज मंगलवार को उन्होंने एक दिलचस्प अपडेट शेयर किया है। वे अब फिल्म 'दृश्यम 3' का हिस्सा बन गए हैं। प्रकाश राज ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर किया है। इसके साथ लिखा है कि वे फिल्म 'दृश्यम 3' का हिस्सा बन गए हैं। आगे लिखा है, 'दिलचस्प फ्रेंचाइजी 'दृश्यम 3' हिंदी में शूटिंग शुरू कर दी है। एक शानदार टीम और एक शानदार रोल के साथ। मुझे यकीन है कि आपको यह पसंद आएगा। और हां, मैं किसी को रिप्लेस नहीं कर रहा हूं।

बता दें कि ऐसी खबरें सामने आई थीं कि दीपिका पादुकोण के बाद प्रकाश राज भी 'स्पिरिट' से हट गए हैं। संदीप रेड्डी वांगा के साथ रचनात्मक मतभेदों के चलते उन्होंने ऐसा किया। फिल्म 'स्पिरिट' से अपने बाहर होने की अफवाहों को बढ़ता देख प्रकाश राज ने सोशल मीडिया पोस्ट शेयर कर इस पर प्रतिक्रिया दी थी। उन्होंने अपने एक्स अकाउंट से लोगों से अफवाहें न फैलाने की बात कही। एक्टर ने लिखा, 'सभी टॉक्सिक फर्जी खबरें फैलाने वालों

को 'स्पिरिट' फिल्म के बारे में बताना चाहता हूं। हमने अभी तक मेरे सीन्स की शूटिंग शुरू भी नहीं की है और व्हाट्सएप फैक्ट्रियां कहानियां बना रही हैं। थोड़ी समझदारी दिखाओ। अपनी जिंदगी जियो'।

शमिता ने डेटिंग संबंधी अफवाहों को किया खारिज

अभिनेत्री शमिता शेट्टी ने बीते दिनों अपना जन्मदिन मनाया। उनके बर्थडे सेलिब्रेशन की फोटोज में उनके एक दोस्त की झलक दिखी। इसके बाद उनकी डेटिंग को लेकर अफवाहें शुरू हो गईं। बाद में शमिता ने डेटिंग संबंधी अफवाहों को खुद खारिज किया। शमिता शेट्टी ने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक वीडियो शेयर किया है।

बता दें कि बीते दिनों अभिनेत्री शमिता की डेटिंग लाइफ को लेकर अफवाहों का बाजार गर्म हो गया। दरअसल, उन्होंने 02 फरवरी को अपना जन्मदिन मनाया। इस जश्न में उनके साथ बहन शिल्पा शेट्टी और जीजू राज कुंद्रा भी मौजूद रहे। सोशल मीडिया पर सामने आईं शमिता के जन्मदिन के सेलिब्रेशन की तस्वीरों में एक शख्स ऐसा भी नजर आया, जिसके साथ शमिता का नाम जोड़ा गया।

शख्स टेक्नो आर्टिस्ट-बिजनेसमैन दीपेश शर्मा थे। हालांकि, डेटिंग को लेकर शुरू हुई अफवाहों को शमिता ने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए खारिज कर दिया।

दीपेश शर्मा के साथ अफेयर की अफवाहों पर शमिता ने इंस्टाग्राम स्टोरी शेयर कर लिखा था, 'सिंगल और शांत। सच्ची दोस्ती को गलत तरीके से समझने वाले रूढ़िवादी बनना बंद करो। ये सरासर बकवास है'। बता दें कि शमिता ने साल 2000 में फिल्म 'मोहब्बतें' से डेब्यू किया था।

बेटे के डेब्यू पर गोविंदा का बड़ा बयान बताया क्यों छोड़ी राजनीति

गोविंदा बीते दिनों से चर्चाओं का विषय बने हुए हैं। हाल ही में उनकी पत्नी ने उनपर एक्सट्रामैरिटल अफेयर के आरोप लगाए थे। हालांकि इन सभी आरोपों को गोविंदा ने खारिज कर दिया। अब उनके बेटे बॉलीवुड में डेब्यू करने वाले हैं। गोविंदा ने उनके बेटे की एक्टिंग पर भी खुलकर बात की है।

यश मुझसे भी बेहतर एक्टर बनेगा

गोविंदा ने कहा कि उन्हें अपने बेटे पर पूरा भरोसा है और यश आगे चलकर उनसे भी बेहतर एक्टर बनेगा। बातचीत में गोविंदा ने कहा, 'यश मुझसे बेहतर एक्टर बनेगा। वो टेक्निकली मुझसे ज्यादा मजबूत है।' अपने बेटे को सपोर्ट करने को लेकर गोविंदा ने बताया कि उनकी सिफारिश पर निर्माता साजिद नाडियाडवाला ने यश को अपने ऑफिस में जगह दी, ताकि वह फिल्ममेकिंग के अलग-अलग पहलू सीख सके।

करण जौहर पर कसा तंज

इस इंटरव्यू के दौरान गोविंदा ने बताया कि उनके नाम पर एक फिल्म बनाई गई थी। गोविंदा बोले, 'किसी ने मेरे नाम से पिक्चर बना दी थी। शायद उसका नाम 'गोविंदा मेरा नाम' था। मुझे पता नहीं, पर लगता है कि वो करण जौहर की फिल्म थी।' बता दें, साल 2022 में रिलीज हुई 'गोविंदा मेरा नाम' में विक्की कौशल, भूमि पेडनेकर और कियारा आडवाणी ने साथ काम किया था। इस फिल्म का निर्देशन शशांक खैतान ने किया था। वहीं इसके प्रोड्यूसर करण जौहर थे।

गोविंदा ने क्यों छोड़ी राजनीति

वहीं राजनीति छोड़ने के फैसले पर गोविंदा ने कहा कि उन्होंने यह कदम अपने परिवार के लिए उठाया। उन्होंने कहा, 'मैं नहीं चाहता था कि राजनीति मेरी फैमिली लाइफ और बच्चों पर असर डाले।'

न्यूकमर्स के साथ काम करना चाहते हैं गोविंदा

खबर है कि गोविंदा सलमान खान की फिल्म 'बैटल ऑफ गलवां' में नजर आ सकते हैं। हालांकि इस बात को लेकर कोई जानकारी मेकर्स ने शेयर नहीं की है। हां, सलमान खान ने 'बिग बॉस 19' के मंच पर जरूर कहा था कि वह गोविंदा के साथ एक फिल्म में काम कर रहे हैं। गोविंदा ने आगे कहा कि वह नए कलाकारों के साथ काम करना चाहते हैं और नहीं चाहते कि कोई भी एक्टर उनके बारे में गलत डर बनाए। इसी वजह से उन्होंने सभी से माफी भी मांगी। वहीं, हाल ही में सुनीता आहूजा के भी बॉलीवुड में डेब्यू करने की बात सामने आई है।

यशवर्धन करने वाले हैं बॉलीवुड में डेब्यू

गोविंदा और सुनीता की शादी 1987 में हुई थी। उनके दो बच्चे भी हैं। बेटी टीना ने 2015 में फिल्म 'सेकंड हैंड हसबैंड' से डेब्यू किया था। बेटा यशवर्धन भी जल्द ही फिल्मों में कदम रखने वाले हैं।